आषाढ़ कृष्ण पक्ष -14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 08 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

13 जुलाई 2026 सोमवार

आज का मौसम

31.4 अधिकतम

25.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान के तीखे तेवर... हर हाल में होर्मुज की रक्षा करेंगे

कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर लगातार बड़े हमले

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के रविवार को ईरान में 140 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले के इसके जवाब में ईरान ने आज कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, कुवैत के अली अल-सलेम एयरबेस पर ईंधन टैंक और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। साथ ही अहमद अल-जाबेर एयरबेस के रडार सिस्टम पर भी हमला किया गया।

इससे पहले आईआरजीसी ने बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर भी हमले का दावा किया था। संगठन के अनुसार, वहां हेलिकॉप्टर रखरखाव केंद्र, पी-8 विमान के हैंगर और अमेरिकी सेना के ड्रोन कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाया गया।

वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए कई परमाणु

बमों से भी ज्यादा अहम है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक रेजाई ने कहा कि ईरान होर्मुज की हर हाल में रक्षा करेगा।

जॉर्डन का दावा- ईरान की ओर से दागी गईं चार मिसाइलें मार गिराईं

जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान की ओर से दागी गईं चार मिसाइलों को अपने हवाई क्षेत्र में ही रोककर मार गिराया। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया था कि उसने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कई ईंधन डिपो और गोला-बारूद के भंडार में आग लग गई। हालांकि, दोनों देशों के इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान की जंग में मियां मुनीर से बस यही सवाल... तुम कौन ख़ामख़ां?

पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता में ईरान के साथ हुआ अमेरिका का समझौता महीना भर भी नहीं टिक सका। भोपाली अंदाज़ में कहें तो आज शहबाज़ शरीफ़ और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर की हालत पर वही जुमला सटीक बैठता है– 'मियां, तुम कौन ख़ामख़ां?'

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के हुक्मरान यह दावा करते रहे कि उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच संवाद की राह खोल दी है। इसे उन्होंने अपनी बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताया। यहाँ तक प्रचारित किया गया कि इस प्रक्रिया में इज़राइल को अलग-थलग कर दिया गया है। समय-समय पर ऐसी खबरें भी सामने आईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर दक्षिण लेबनान में सैन्य कार्रवाई सीमित रखने का दबाव बनाया और इज़राइल-लेबनान के बीच शांति की संभावनाएँ तलाशने की बात भी हुई।

लेकिन सवाल वही है कि क्या पाकिस्तान कभी अमेरिका और इज़राइल की दशकों पुरानी रणनीतिक साझेदारी को वास्तव में प्रभावित कर सकता था? इसका उत्तर शुरू से ही कठिन था। शायद इसी कारण पाकिस्तान की इस कूटनीतिक सक्रियता को लेकर संदेह भी व्यक्त किए जाते रहे। जब अमेरिका ने ईरान के साथ संवाद में पाकिस्तान की भूमिका की चर्चा की थी, तभी मैंने अपने विश्लेषण में इसकी सफलता पर प्रश्नचिह्न लगाया था। मेरा मानना था कि ईरान को लेकर अमेरिका और इज़राइल की प्राथमिकताएँ अलग-अलग होते हुए भी परस्पर पूरक हैं। इज़राइल इसे अपने अस्तित्व और सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न मानता है, जबकि अमेरिका के व्यापक रणनीतिक हित पश्चिम एशिया में प्रभाव बनाए रखने, ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षा तथा रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों के प्रभाव को सीमित करने से जुड़े दिखाई देते हैं।

अमेरिका के आर्थिक हित

इज़राइल की दीर्घकालिक सुरक्षा अवधारणा और क्षेत्रीय रणनीति पर भी वर्षों से बहस होती रही है। दूसरी ओर अमेरिका की पश्चिम एशिया नीति भी केवल ईरान तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसके पीछे व्यापक भू-राजनीतिक और आर्थिक हित भी नज़र आते हैं। इसलिए यह मान लेना कि पाकिस्तान की मध्यस्थता इन जटिल समीकरणों को बदल देगी, शायद वास्तविकता से अधिक राजनीतिक प्रचार था। आज घटनाक्रम जिस दिशा में बढ़ रहा है, उसने उन दावों की चमक काफी हद तक फीकी कर दी है। यदि तनाव फिर बढ़ता है तो अमेरिका, इज़राइल और ईरान—तीनों देशों के नेतृत्व से उनके अपने नागरिक यह अवश्य पूछेंगे कि इस टकराव से आखिर हासिल क्या हुआ और इसकी कीमत कौन चुका रहा है। जहाँ तक पाकिस्तान का प्रश्न है, उसकी भूमिका पर दुनिया शायद वही कहावत दोहराएगी– 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना।' और उसके बाद सहज ही एक सवाल भी उठेगा – 'मियाँ, तुम कौन ख़ामख़ाँ?'

न्यूज विंडो

बैंकॉक के बार में आग, 27 मौतें 60 से ज्यादा लोग घायल

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार देर रात एक बार में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। थाई अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की वजह बिजली के सिस्टम में खराबी हो सकती है।सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग लगने की वजह की जांच अभी जारी है। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने कहा कि उन्हें रात 12 बजे आग लगने की सूचना मिली।

रतलाम: डिवाइडर से टकराई कार डॉक्टर की मौत, पत्नी-बच्चे घायल

रतलाम। रतलाम-इंदौर फोरलेन पर रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में रतलाम के बाल चिकित्सालय में पदस्थ डॉ. मनीष सिंह और उनके 80 वर्षीय ससुर शिवनारायण राजौरिया की मौत हो गई। हादसे में डॉक्टर के पत्नी व बच्चे भी घायल हो गए है। दुर्घटना उस समय हुई, जब परिवार भोपाल से रतलाम लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक को नींद की झपकी आना सामने आई है।

कोचिंग विवाद में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर

पटना। कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान उर्फ खान सर को बड़ी राहत मिल गई है। पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। इससे पहले अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही खान सर के दोनों बॉडीगार्ड को भी फिलहाल जमानत मिल गई है। बता दें कि हत्या के प्रयास एवं हथियारों के अवैध इस्तेमाल के मामले में अभियुक्त बनाए गए। खान सर उर्फ़ फैजल खान की ओर से प्रधान जिला जज रुपेश देव की अदालत में याचिका दाखिल की गई थी।

बारिश का रौद्र रूप: उत्तराखंड -हिमाचल में सैकड़ों सड़कें बंद, अगले 24 घंटे भारी

उत्तर में नदियां उफान पर, पहाड़ों पर लैंडस्लाइड आवाजाही बंद, 18 राज्यों के लिए रेड अलर्ट

नई दिल्ली/देहरादून/श्रीनगर, एजेंसी

देश के कई हिस्सों में मानसून की बारिश जारी है। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने के साथ हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। इसके अलावा उत्तराखंड में भूस्खलन और बारिश से सैकड़ों सड़कें बंद हो गईं। उत्तराखंड सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां कई जिलों में भूस्खलन, सड़कें बंद होने, नदियों का जलस्तर बढ़ने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड में अगले 24 घंटे में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में पिछले 3 दिनों से बारिश का दौर जारी है।

एमपी में 5 दिन से तेज बारिश नहीं

प्रदेश में मानसून की रफ्तार थम गई है। करीब 60% हिस्से से मानसून के बादल गायब है। इस वजह से प्रदेश में अगले 5 दिन तक कहीं भी भारी या अति भारी बारिश के आसार नहीं है। मौसम केंद्र की माने तो 16 जुलाई से नया सिस्टम एक्टिव हो सकता है। इससे तेज बारिश के संकेत है। अगले कुछ दिन तक रिमझिम बारिश जरूर होती रहेगी। 16 जुलाई से ज्यादा असर दिखेगा।

7 दिन में फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून

राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

यास्तिका भाटिया क्रांति गौड़

जीत से 4 विकेट दूर

लॉर्ड्स में इतिहास लिखने को तैयार भारत की बेटियां

लंदन, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम लॉर्ड्स में जारी ऐतिहासिक टेस्ट मैच में जीत से महज 4 विकेट दूर है। जीत के लिए 457 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 6 विकेट गंवाकर सिर्फ 130 रन बनाए हैं। फिलहाल इंग्लैंड जीत से 327 रन दूर है, जबकि उसके पास सिर्फ 4 विकेट शेष हैं। भारत के पास पहली पारी के आधार पर 115 रन की बढ़त थी। मेहमान टीम ने अपनी दूसरी पारी 341 के स्कोर पर घोषित करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 457 रन का टारगेट दिया। मंधाना ने शेफाली वर्मा (33) के साथ पहले विकेट के लिए 88 रन जुटाए। इसके बाद यास्तिका भाटिया के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी की। मंधाना 10 बाउंड्री के साथ 70 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि यास्तिका भाटिया ने 14 चौकों के साथ 113 रन बनाए। यास्तिका लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं।

रामंदिर चढ़ावा चोरी

सुप्रीम कोर्ट की एंट्री, स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी एसआईटी को राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी किया है। अब इस मामले पर 20 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाओं में अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के मैनेजमेंट में कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है।

बद्रीनाथ मामला

नौटियाल पुलिस हिरासत में

गोपेश्वर। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा गिनती के दौरान हेराफेरी में वांछित आरोपित प्रमोद नौटियाल को चमोली पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। एसआईटी टीम का पर्यवेक्षण कर रहे डीएसपी मदन सिंह बिष्ट ने इसकी पुष्टि की है।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0

बेहतर भविष्य के लिए निवेशक संकल्प लें, हम साथ हैं : डॉ. यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओद्योगिक निवेश के मामले में मध्यप्रदेश ने पिछले दो सालों में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। इस अवधि में हुई प्रगति भविष्य के लिए नई इबारत लिख रही है। यहाँ आज सेमीकंडक्टर नीति पर आधारित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव - 3 ,0 की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश की सरकार छोटे - बड़े सभी निवेशकों के लिए ईज ऑफ़ डूइंग की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

निवेशक जो संकल्प करेंगे , सरकार उन्हें पूरा करने के लिए साथ खड़ी रहेगी। टेकग्रोथ कॉनक्लेव का उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश अग्रणी राज्यों में शामिल करना है।

मेट्रो एंकर

वयस्क को मर्जी से रहने का हक़, मां की भावना या पिता के अहंकार से नहीं चलेगा कानून

बालिग लड़की के 'सुपर गार्जियन' बनने की कोशिश न करें अदालतें- हाईकोर्ट

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी बालिग व्यक्ति को अपनी पसंद की जगह और अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि जब तक किसी वयस्क पर कोई दबाव या गैरकानूनी रोक-टोक नहीं है, तब तक अदालतें अभिभावक की भूमिका नहीं निभा सकतीं और न ही उसकी कस्टडी माता-पिता या किसी अन्य व्यक्ति को सौंपने का आदेश दे सकती हैं। ऐसे मामलों में बालिग़ व्यक्ति की मर्जी ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

मामला रांझी के गोकलपुर क्षेत्र का है। यहां रहने वाली एक महिला ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि रितिक चौधरी नाम का व्यक्ति उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। याचिका पर

सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को युवती को अदालत में पेश करने के निर्देश दिए थे। सुनवाई के दौरान पुलिस युवती को अदालत में लेकर पहुंची।

जीवन के फैसले का अधिकार

अदालत ने कहा कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका केवल उन्हीं मामलों में लागू होती है, जहां किसी व्यक्ति को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया हो। सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद हाईकोर्ट ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निराकरण करते हुए उसे खारिज कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में दोहराया कि बालिग व्यक्ति को अपने जीवन से जुड़े फैसले स्वयं लेने का संवैधानिक अधिकार है। इससे पहले हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी एक मामले की सुनवाई करते हुए हुए जहा था कि राज्य और माता-पिता किसी बालिग महिला को उसकी इच्छा के खिलाफ उसके घर लौटने या शादी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं।

जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने युवती से अकेले में बातचीत की। युवती ने अदालत को बताया कि वह बालिग है और अपनी इच्छा से रितिक चौधरी के साथ गई है। उसने यह भी कहा कि वह उसी के साथ रहना चाहती है और अपने माता-पिता के पास वापस नहीं जाना चाहती। युवती ने साफ किया कि उस पर किसी तरह का दबाव या अनुचित प्रभाव नहीं डाला गया है।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि कोई बालिग व्यक्ति अपनी इच्छा से कहीं रह रहा है और उसे अवैध रूप से हिरासत में नहीं रखा गया है, तो संवैधानिक अदालत उसकी कस्टडी किसी अन्य व्यक्ति, यहां तक कि उसके माता-पिता को भी नहीं सौंप सकती। अदालत ने यह भी कहा कि न्यायालयों को मां की भावनाओं या पिता के अहंकार से प्रेरित होकर 'सुपर गार्जियन' की भूमिका नहीं निभानी चाहिए।

आज का कार्टून

अरेरा कॉलोनी की बदहाल सड़कें, गड्ढों से वाहन चालक और रहवासी परेशान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की पॉश कॉलोनियों में शुमार अरेरा कॉलोनी की सड़कें बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई डामर सड़कें और टूटे हुए हिस्से आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर साल मानसून से पहले सड़क मरम्मत के दावे किए जाते हैं, लेकिन इस बार भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्र में कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश शुरू होने के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाएगा, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल होगा और दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाएगी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम और संबंधित विभाग को कई बार सड़क मरम्मत की शिकायतें दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। रहवासियों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो मानसून के दौरान यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होगी। बता दें कि हाल के दिनों में भोपाल के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश के दौरान जलभराव और खराब सड़कों की समस्या सामने आ चुकी है। अरेरा कॉलोनी भी उन क्षेत्रों में शामिल रही है जहां शुरुआती बारिश ने ही सड़कों और नगर निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े किए थे।

लोकायुक्त की जांच पर उठे सवाल, कमजोर विवेचना सबसे बड़ी वजह

भ्रष्टाचार पर सिस्टम की कमजोरी एमपी में 43% आरोपी कोर्ट से बरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाली एजेंसियों की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। लोकायुक्त संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, आय से अधिक संपत्ति, रिश्वतखोरी और पद के दुरुपयोग जैसे मामलों में बड़ी संख्या में आरोपी अदालतों से बरी हो रहे हैं। मई 2026 तक जिन 5,090 मामलों का न्यायालयों में फैसला आया, उनमें 2,917 आरोपितों को सजा मिली, जबकि 2,173 आरोपी दोषमुक्त हो गए। यानी करीब 43 प्रतिशत मामलों में अभियोजन अदालत में आरोप साबित नहीं कर सका।

हालांकि, पिछले एक दशक के आंकड़े यह भी बताते हैं कि दोषसिद्धि दर में सुधार हुआ है। वर्ष 2023-24 में यह दर लगभग 80 प्रतिशत और 2024-25 में करीब 71 प्रतिशत रही। इसके बावजूद बड़ी संख्या में आरोपियों का बरी होना जांच और साक्ष्य संकलन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि कई मामलों में कमजोर विवेचना, तकनीकी खामियां और अदालत में साक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण आरोपी संदेह का लाभ उठाकर बच निकलते हैं।

आंकड़ों में भ्रष्टाचार के मामलों की तस्वीर

मध्य प्रदेश लोकायुक्त संगठन के उपलब्ध आंकड़े भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई की मिली-जुली तस्वीर पेश करते हैं। मई 2026 तक कुल 5,090 मामलों में अदालतों ने फैसला सुनाया। इनमें 2,917 मामलों में आरोपितों को दोषी मानते हुए सजा दी गई, जबकि 2,173 आरोपी बरी हो गए। इसके अलावा 1,130 से अधिक मामले अभी भी प्रदेश की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबित मामलों की संख्या कम करने और जांच की गुणवत्ता सुधारने के लिए तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षित जांच अधिकारियों की जरूरत है। समयबद्ध जांच और प्रभावी अभियोजन से दोषसिद्धि दर में और सुधार संभव है।

कमजोर विवेचना से आरोपियों को मिलता है लाभ

हाई कोर्ट के वरिष्ठ आपराधिक अधिवक्ता अजय गुप्ता के अनुसार भ्रष्टाचार के मामलों में कई बार जांच एजेंसियां पर्याप्त और मजबूत विवेचना नहीं कर पातीं। कई मामलों में साक्ष्यों का सही तरीके से संकलन नहीं हो पाता या उन्हें अदालत में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं किया जाता। इसका सीधा फायदा आरोपितों को मिलता है और वे संदेह का लाभ लेकर बरी हो जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जांच अधिकारियों के विशेष प्रशिक्षण, तकनीकी विशेषज्ञता और अभियोजन पक्ष के बेहतर समन्वय से इस स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। इससे भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बन सकेगी। लोकायुक्त के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2015-16 के बाद भ्रष्टाचार मामलों में दोषसिद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। पिछले दस वर्षों में केवल दो वर्षों को छोड़कर अधिकांश वर्षों में सजा की दर 70 प्रतिशत से अधिक रही। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा करीब 80 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि 2024-25 में लगभग 71 प्रतिशत मामलों में अदालतों ने आरोपियों को दोषी माना। अधिकारियों का दावा है कि आधुनिक जांच तकनीकों, डिजिटल साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष की बेहतर तैयारी का इसका सकारात्मक असर पड़ा है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि सुधार की यह रफ्तार लगातार बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

टैक्स हेराफेरी पर निगम का एक्शन अधिकार सीमा में ही होगा कर संशोधन

गड़बड़ी मिलने पर अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम भोपाल में संपत्तिकर निर्धारण और टैक्स वसूली में सामने आई अनियमितताओं के बाद निगम प्रशासन ने कर संशोधन प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने नया आदेश जारी करते हुए विभिन्न स्तर के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार तय कर दिए हैं, ताकि टैक्स कम करने और संशोधन के मामलों में मनमानी पर रोक लगाई जा सके।

हाल के दिनों में संपत्तिकर की राशि कम करने और कर निर्धारण में गड़बड़ियों के कई मामले सामने आने के बाद यह निर्णय लिया गया। नए आदेश के तहत अब हर अधिकारी केवल निर्धारित सीमा के भीतर ही टैक्स संशोधन कर सकेगा। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही करदाताओं के आवेदनों के समयबद्ध निराकरण को भी अनिवार्य बनाया गया है। निगम का मानना है कि नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी, राजस्व नुकसान रुकेगा और करदाताओं को समय पर राहत मिल सकेगी।

अधिकारी को कितनी मिली वित्तीय शक्ति

नगर निगम के नए आदेश के अनुसार 12 हजार रुपये तक के टैक्स संशोधन का अधिकार संबंधित जोनल अधिकारी को दिया गया है। 12 हजार से 50 हजार रुपये तक के मामलों का निर्णय सहायक आयुक्त या प्रभारी राजस्व अधिकारी करेंगे। 50 हजार से 2.50 लाख रुपये तक के प्रकरण संबंधित नोडल अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रहेंगे। वहीं 2.50 लाख रुपये से अधिक के सभी मामलों को अपर आयुक्त (राजस्व) के माध्यम से आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। निगम प्रशासन का मानना है कि अधिकारों के इस स्पष्ट विभाजन से जवाबदेही तय होगी और मनमाने निर्णयों पर रोक लगेगी।

समय सीमा में होगा आवेदनों का निराकरण

नए आदेश में टैक्स संबंधी आवेदनों के निपटारे के लिए स्पष्ट समय सीमा भी तय की गई है। वार्ड और जोन कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों पर दो कार्य दिवस के भीतर प्रारंभिक कार्रवाई शुरू करना अनिवार्य होगा। संबंधित अधिकारी को सात कार्य दिवस के भीतर प्रकरण का निराकरण करना होगा। जिन मामलों में मौके पर निरीक्षण या भौतिक सत्यापन आवश्यक होगा, उनका निपटारा अधिकतम एक माह के भीतर करना होगा। इससे करदाताओं को लंबी प्रतीक्षा और अनावश्यक कार्यालयी प्रक्रियाओं से राहत मिलने की उम्मीद है।

रास्ता पूछने के बहाने से लूट, 48 घंटे में पुलिस के शिकंजे में आए पांच नाबालिग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के टीटी नगर थाना क्षेत्र में रास्ता पूछने के बहाने लूट की एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। पांच नाबालिगों ने मिलकर एक होमगार्ड जवान को जमीन पर गिराकर उससे नकदी और मोबाइल लूट लिया। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 48 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को पकड़ लिया और लूटा गया सामान बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, होमगार्ड जवान रफीक मोहम्मद ने 8 जुलाई की शाम करीब सात बजे टीटी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह होटल पलाश के पास स्थित शनि मंदिर के सामने बैठे हुए थे। इसी दौरान पांच युवक उनके पास पहुंचे और काटजू अस्पताल जाने का रास्ता पूछने लगे। रफीक मोहम्मद जब उन्हें रास्ता समझा रहे थे, तभी आरोपियों ने अचानक उनके दोनों पैर पकड़ लिए और उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद उन्होंने जवान की जेब में रखी पतरी (वॉलेट) छीन ली और मौके से फरार हो गए। वॉलेट में 10 हजार रुपये नकद, एटीएम कार्ड और नोकिया कंपनी का एक कीपैड मोबाइल रखा हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही टीटी नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ई-रिक्शा क्रमांक एमपी-04-जेडएफ-7176 में घूम रहे पांच संदिग्ध नाबालिगों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने लूटे गए 10 हजार रुपये, कीपैड मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा बरामद कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पकड़े गए नाबालिगों ने शहर के अन्य इलाकों में भी इसी तरह की लूट या चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं।

कार को साइड देने का विवाद में खूनी संघर्ष सरपंच की पिस्टल से उसी पर चला दी गोली

भोपाल की सागर रायल होम्स कॉलोनी में देर रात हुई सनसनीखेज वारदात

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सागर रायल होम्स कॉलोनी में कार को साइड देने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते जानलेवा हमले में बदल गया। विवाद के दौरान तीन युवकों ने पहले एक सरपंच के साथ मारपीट की और फिर उनकी लाइसेंसी पिस्टल छीनकर उसी पर फायरिंग कर दी। गोली सरपंच के पैर में लगी, जिससे उनकी हड्डी टूट गई। घायल सरपंच का अस्पताल में उपचार जारी है, जबकि पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, घायल 33 वर्षीय हरीश राजपूत सीहोर जिले के शाहगंज क्षेत्र के टीकरी गांव के निवासी हैं। परिजनों का दावा है कि वे ग्राम पंचायत के सरपंच हैं। भोपाल की सागर रायल होम्स कॉलोनी में उनके भाई के नाम से मकान है, जहां उनकी पत्नी और बच्चे रहते हैं और हरीश का यहां नियमित आना-जाना रहता है। घटना रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे की है। हरीश राजपूत अपनी कार से कॉलोनी पहुंचे थे। मुख्य गेट के पास एक कार खड़ी होने से रास्ता अवरुद्ध था। हरीश ने कार हटाने के लिए कहा, जिस पर वहां मौजूद हर्षित पटेल, अनुभव चौबे और उनके एक साथी से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद हरीश अपनी कार पार्किंग की ओर ले गए। पुलिस के मुताबिक, तीनों युवक भी उनके पीछे पार्किंग तक पहुंच गए। जैसे ही हरीश कार से उतरे, आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान हर्षित पटेल ने उनकी कमर में लगी लाइसेंसी पिस्टल छीन ली और उन पर फायर कर दिया। पहला फायर खाली चला गया, लेकिन जान बचाने के लिए भाग रहे हरीश पर किया गया दूसरा फायर उनके बाएं पैर में जा लगा और गोली हड्डी को तोड़ते हुए बाहर निकल गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही समय में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। मिसरोद थाना प्रभारी विमलेश राय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

डेयरियों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, घी-मावा के लिए सैंपल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर मिली शिकायतों के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने रविवार को दो डेयरियों पर कार्रवाई करते हुए घी, मावा, दही और बेसन के वैधानिक नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक और खाद्य सुरक्षा अधिकारी साधना सक्सेना की टीम ने 11 नंबर स्थित परमार डेयरी एंड स्वीट्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान दही और बेसन के नमूने लिए गए। निरीक्षण में कुछ अनियमितताएं भी सामने आने पर विभाग ने डेयरी संचालक को सुधार सूचना (इम्प्रूवमेंट नोटिस) और कारण बताओ नोटिस जारी किया है। संचालक को दो दिनों के भीतर कमियां दूर कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में विभागीय टीम ने विट्ठल मार्केट स्थित मुरैना डेयरी का भी निरीक्षण किया, जहां से तृप्ति शुद्ध घी और मावा के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। अभिहित अधिकारी देवेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि जांच रिपोर्ट में खाद्य पदार्थ निर्धारित

मेट्रो एंकर

उपभोक्ता आयोग ने सुनाया फैसला, कहा दो माह में लौटाने होंगे 62,700 रुपए

साइबर ठगी होने पर बैंक जिम्मेदार, मानसिक क्षतिपूर्ति भी देनी होगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर ठगी के मामलों में उपभोक्ताओं के अधिकारों को मजबूती देने वाले एक फैसले में जिला उपभोक्ता आयोग ने बैंक की सेवा में कमी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया है। आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक को ठगी का शिकार हुए ग्राहक को शेष 47,700 रुपए लौटाने के साथ 15 हजार रुपए मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में देने के निर्देश दिए हैं। बैंक को दो माह के भीतर कुल 62,700 रुप का भुगतान करना होगा।

जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-2 के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल तथा सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल की बेंच ने यह फैसला सुनाया। आयोग ने अपने आदेश में आरबीआई के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि यदि ग्राहक तीन दिन के भीतर अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन की सूचना बैंक को देता है तो उसकी 'जीरो लायबिलिटी' होती है और बैंक पूरी राशि लौटाने के लिए बाध्य होता है। रोहित नगर निवासी वायएम पांडे ने शिकायत की थी कि बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर ठगों

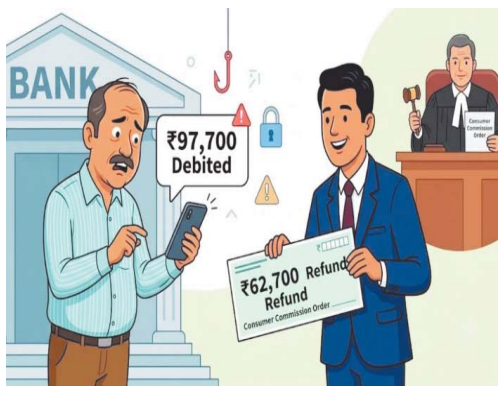

ने उनसे एनी डेस्क एप डाउनलोड करवाई और उनके खाते से 97,700 रुपये निकाल लिए। शिकायत के बाद बैंक ने केवल 49 हजार रुपये लौटाए थे। आयोग ने माना कि समय पर सूचना मिलने के बावजूद पूरी राशि वापस नहीं करना बैंक की सेवा में गंभीर कमी है।

आरबीआई का नियम बना उपभोक्ता की ढाल

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार यदि किसी ग्राहक के खाते से अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन होता है और वह इसकी सूचना तीन दिनों के भीतर बैंक को दे देता है, तो उसकी 'जीरो लायबिलिटी' मानी जाती है। इसका अर्थ है कि ग्राहक को किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा और पूरी राशि लौटाने की जिम्मेदारी बैंक की होगी। आयोग ने अपने फैसले में इसी प्रावधान को आधार बनाया। वायएम पांडे ने घटना के एक घंटे के भीतर बैंक हेल्पलाइन और साइबर सेल दोनों को सूचना दे दी थी। इसके बावजूद बैंक द्वारा पूरी राशि वापस नहीं करना नियमों के विपरीत माना गया और इसे सेवा में कमी की श्रेणी में रखा गया।

ऐसे हुई थी ठगी

पीड़ित वायएम पांडे को ठगों ने खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताकर फोन किया। उन्होंने बिजली बिल बकाया होने और कनेक्शन काटने की चेतावनी देकर दबाव बनाया। इसके बाद एक लिंक भेजकर एनी डेस्क एप डाउनलोड करने को कहा गया। एप इंस्टॉल होने के बाद ठगों ने तकनीकी जानकारी हासिल कर खाते तक पहुंच बना ली। अगले दिन उनके मोबाइल पर भीम एसबीआई पे पर यूपीआई पिन सेट होने का संदेश आया। शाम तक खाते से चार-पांच अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 97,700 रुपये निकाल लिए गए। इसके बाद पीड़ित ने तुरंत बैंक हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कर एटीएम और यूपीआई सेवाएं ब्लॉक कराईं।

21 लाख पौधरोपण के महाअभियान में सीएम बोले-

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान सांसों के स्थायी प्रबंध का मिशन, प्रकृति हमारे लिए है परमेश्वर स्वरूप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। जो हमें जीवन प्रदान करे और सद्मार्ग पर ले जाए, वह सदैव वंदनीय होता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे लिए परमेश्वर के स्वरूप के समान है, क्योंकि यही हमें जल, वायु, अन्न और जीवन का आधार देती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण का भाव रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री इंदौर जिले के ग्राम बुढ़ानिया स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती लीला बाई यादव की स्मृति में संतरे का फलदार पौधा लगाया। साथ ही इंदौर जिले में 21 लाख पौधरोपण और 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों के निर्माण के महाअभियान का शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि हमारे जीवन के आधार भी हैं। उन्होंने वृक्षों की तुलना ऋषि-मुनियों से करते हुए कहा कि जिस तरह ऋषि एक स्थान पर रहकर साधना करते हैं, उसी तरह वृक्ष भी स्थिर रहकर मानवता को प्राणवायु प्रदान करते हैं। वृक्ष हमारी नकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण कर हमें सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। उन्होंने कहा कि बंजर भूमि को हरियाली से भरना प्रकृति माता को हरी चुनरी ओढ़ाने जैसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर चलाया जा रहा ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है।

जल, जंगल और जमीन बचाने का जन अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में पंच महाभूतों का विशेष महत्व है, जिसमें जल सबसे प्रमुख है। जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जमीन और जीव-जंतुओं की सुरक्षा से ही संतुलित पारिस्थितिकीय तंत्र तैयार होता है। उन्होंने पौधरोपण और जल संरक्षण में सहयोग कर रही सामाजिक संस्था पृथ्वी को प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपये देने की घोषणा की। वहीं नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले बीएसएफ के दो जवानों को भी सम्मानित करते हुए उन्हें 2-2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

जल संरक्षण में इंदौर ने पेश किया नया उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर ने जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के सामने बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। मां अहिल्या की नगरी इंदौर ने अपनी गौरवशाली परंपरा के अनुरूप जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। देवी अहिल्या बाई होल्कर ने अपने शासनकाल में कुएं और बावड़ियों का निर्माण कर प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी नदी, तालाब, कुएं और बावड़ियों के संरक्षण एवं पुनर्निर्माण के लिए अभियान चला रही है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच पर्यावरण संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

तीन दिन में लगेंगे एक लाख से अधिक पौधे

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बनाने के लिए जाना जाता है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी शहर लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 8 से 10 फीट ऊंचे पौधे लगाए जा रहे हैं, जो जल्द ही बड़े होकर पर्यावरण और समाज को लाभ पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान का यह तीसरा वर्ष है और हर साल इसमें लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। अगले तीन दिनों में इंदौर में एक लाख से अधिक वन प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे केला उत्पादक

7500 से अधिक किसानों की टूटी कमर, एक अरब का हुआ नुकसान अब बस मुआवजे का इंतजार

189 गांवों की केला फसल नष्ट होने के बाद भी भोपाल में अटका हुआ प्रस्ताव

7 साल से मौसम आधारित फसल बीमा की फाइलों पर धूल जमा रहा सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बुरहानुपर। प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे जिले के केला उत्पादक किसानों को अब तक सरकार और प्रशासन से आश्वासन तो मिलता आ रहा है, लेकिन मुआवजा राशि अब भी नहीं मिल पाई है। जिसके कारण कई किसान न तो बैंकों का कर्ज वापस कर पा रहे हैं और न ही अगली फसल की तैयारी कर पाए हैं। कुछ छोटे किसानों ने साहूकारों से कर्ज भी ले लिया है।

8393.69 हेक्टेयर में लगी फसल खराब हुई- ज्ञात हो कि इस साल तीन बार तेज हवा और बेमौसम वर्षा के कारण 189 गांवों में केला फसल को नुकसान हुआ है। इन गांवों के 7501 किसानों की 8393.69 हेक्टेयर में लगी फसल खराब हुई थी। जिला प्रशासन के सर्वे में 98.96 करोड़ रुपये का नुकसान सामने आया था। इनमें बुरहानपुर नगर तहसील के 25 गांव, ग्रामीण के 59, नेपानगर के 54 और खकनार तहसील के 51 गांव शामिल थे। इसके अनुरूप प्रशासन ने प्रस्ताव बना कर भोपाल भेजे थे। प्रस्ताव भेजे हुए करीब डेढ़ माह हो चुके हैं, लेकिन अब तक मुआवजा राशि का वितरण शुरू नहीं हो पाया है।

सात साल से फसल बीमा का इंतजार

जिले के किसान सरकारी सिस्टम की लापरवाही का शिकार हैं। एक ओर उन्हें मुआवजा देने में कई महीने का इंतजार कराया जाता है तो दूसरी ओर सरकार फसल बीमा का लाभ भी नहीं दे पा रही है। बीते सात साल से किसान मौसम आधारित फसल बीमा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रगतिशील किसान संगठन के अध्यक्ष रघुनाथ पाटथ्ल का आरोप है कि जन प्रतिनिधि हर बार फसल बर्बाद होने पर खेतों में दिलासा देने तो पहुंचते हैं, लेकिन फसल बीमा का लाभ नहीं दिला पा रहे। उनका कहना है कि आरबीसी के तहत अधिकतम दो लाख रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाता है, जो नुकसान के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। हर साल नुकसान के कारण किसानों की लगातार कमर टूट रही है। केला फसल खराब हो जाने के कारण कई छोटे किसान इन दिनों खाद और बीज के संकट से भी जूझ रहे हैं। उनके पास इसके लिए भी रुपये नहीं बचे हैं। जिसके कारण वे कहीं से भी कर्ज लेने के लिए विवश हैं। इसके अलावा खाद के लिए टोकन प्रणाली लागू होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में खाद की कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

10 ई-बसों का फायनल ट्रायल 20 से पहले

बैरागढ़ से औबेदुल्लागंज तक सस्ता व हाईटेक सफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी की पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था जल्द ही हाईटेक और पर्यावरण अनुकूल होने जा रही है। शहर का पहला अत्याधुनिक ई-बस डिपो बैरागढ़ में लगभग तैयार हो चुका है, जहां पर 10 नई बसें पहुंच चुकी हैं। 20 जुलाई के पहले फाइनल ट्रायल रन होगा। फिलहाल डिपो में फिनिशिंग, लाइटिंग और कुछ अंतिम परीक्षण किए जा रहे हैं। शहर को पहले चरण में मिलने वाली 100 इलेक्ट्रिक बसें 20-20 की खेप में आएंगी। इस बड़े प्रोजेक्ट को गति देने के लिए जल्द ही ट्रायल रन होगा। आइटीएमएस सिस्टम से हैं लैस- इस नई परिवहन व्यवस्था का मुख्य फोकस यात्रियों की सहूलियत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और महिला सुरक्षा पर है। इनमें महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने %इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम% (आइटीएमएस) लगाया गया है। प्रत्येक बस की कंट्रोल रूम से रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और आपातकालीन स्थिति के लिए पैनिक बटन भी उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही टिकटिंग सिस्टम, ड्राइवरों का विशेष प्रशिक्षण और रूट प्लानिंग का काम अंतिम चरण में चल रहा है।

सफर का पूरा खाका

- **कुल बेड़ा:** शहर में कुल 250 बसों का संचालन होगा (इस साल 100, जबकि वर्ष 2027 में 150 और बसें आएंगी)।
- **अतिरिक्त आवंटन:** पहले केवल 95 बसें स्वीकृत थीं, जिसे बाद में बढ़ाकर 250 किया गया।
- **रोज लाभ:** शुरुआत में आठ प्रमुख रूटों पर 100 बसें चलने से हर दिन 80 हजार से अधिक यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा।

बालाघाट चावल हेराफेरी मामला... खाद्य मंत्री की सफाई

राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं, दोषियों पर होगी कार्रवाई

एफसीआई के चावल को एथेनॉल कंपनी से जोड़कर की जा रही थी गड़बड़ी की जांच, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बालाघाट जिले में एथेनॉल उत्पादन के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए चावल की कथित हेराफेरी के मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि इस प्रकरण में मध्यप्रदेश खाद्य विभाग और मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि चावल आवंटन से लेकर परिवहन तक की पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा संचालित की जाती है। मंत्री राजपूत ने बताया कि एथेनॉल उत्पादन योजना भारत सरकार की पहल है। इसके तहत भारतीय खाद्य निगम निर्धारित दरों पर एथेनॉल निर्माता कंपनियों को चावल उपलब्ध कराता है। इसके बाद निर्माता कंपनियां तेल विपणन कंपनियों को एथेनॉल की आपूर्ति करती हैं। चावल का आवंटन, मूल्य निर्धारण, परिवहन और संचालन संबंधी सभी व्यवस्थाएं केंद्रीय एजेंसियों के स्तर पर तय होती हैं। इसमें राज्य सरकार अथवा उसकी किसी संस्था की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भूमिका नहीं रहती।

242.55 क्विंटल चावल मिलने के बाद दर्ज हुई एफआईआर

खाद्य मंत्री ने बताया कि बालाघाट जिले में शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर के निर्देश पर जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि एफसीआई द्वारा एथेनॉल उत्पादन के लिए एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड, बोरगांव (छिंदवाड़ा) को उपलब्ध कराया गया 242.55 क्विंटल यानी 490 बोरी चावल वारासिवनी स्थित संचेती राइस मिल के परिसर में पाया गया। उन्होंने बताया कि चावल के निर्धारित उपयोग से अलग पाए जाने के बाद प्रथम दृष्टया अनियमितता सामने आई। इसके बाद एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि और संचेती राइस मिल के संचालक के खिलाफ वारासिवनी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

केंद्रीय खाद्य मंत्री को लिखा पत्र, व्यवस्था में सुधार की मांग

मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रारंभिक जांच में एथेनॉल निर्माता कंपनी और संबंधित राइस मिलर की भूमिका सामने आई है। उन्होंने कहा कि चावल वितरण व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया गया है।खाद्य मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है। जांच में जो भी व्यक्ति या संस्था दोषी पाई जाएगी, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्यान्न व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को सरकार गंभीरता से ले रही है।

दो दिनों में 200 किमी साइकिल यात्रा करेंगे जीतू पटवारी

रास्ते के हर जिले में 500 साइकिल यात्री जुड़ेंगे...युवाओं और छात्रों से संवाद करेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नीट यूजी की परीक्षा, सीबीएसई एग्जाम में गड़बड़ी पेपर लीक बेरोजगारी जैसी समस्याओं को लेकर एमपी कांग्रेस इंदौर से भोपाल तक साइक्लोथॉन यानी साइकिल यात्रा निकालने जा रही है। एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी खुद इस पूरी यात्रा का नेतृत्व करते हुए साइकिल चलाते हुए दो दिनों में इंदौर से भोपाल तक का सफर तय करेंगे। मंगलवार को सुबह करीब 8 बजे इंदौर के डीएवीवी के करीब RNT (रवीन्द्र नाथ टैगोर) मार्ग से यात्रा शुरू होगी। इंदौर में एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स का यह सबसे बड़ा सेंटर है। कांग्रेस यहां से छात्रों की समस्याओं और सरकार की अव्यवस्थाओं के कारण हो रहे पेपर लीक को लेकर बड़ा संदेश देगी। इंदौर से भोपाल तक रास्ते में पड़ने वाले हर जिले से 500 साइकिल यात्री इस यात्रा में जुड़ेंगे। इंदौर, देवास, सीहोर और भोपाल जिले को मिलाकर दो हजार से ज्यादा साइकिल यात्रियों के साथ जीतू पटवारी भोपाल पहुंचेंगे।

स्थाई साइकिल यात्रियों की लिस्ट बन रही

इंदौर से लेकर भोपाल तक जीतू पटवारी के साथ आने वाले स्थाई साइकिल यात्रियों की लिस्ट बन रही है। इंदौर के साइकिल रेसर ग्रुप, फिटनेस क्लब के मेंबर्स भी इस यात्रा में साथ आएंगे। इंदौर से चलने के बाद पहले दिन की यात्रा का विश्राम सीहोर जिले के आष्टा कस्बे के गोकुलधाम मैरिज गार्डन में होगा। इसके अगले दिन यानी 15 जुलाई को कोठरी कस्बे से फिर साइकिल यात्रा शुरू होगी।

टाइगर रिजर्व के बफर जोन में ‘बाघ-भालू’ का स्वैग!

नर्मदापुरम। सतपुड़ा के जंगलों में पर्यटकों के लिए सफारी किसी लॉटरी के खुलने जैसी रही। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के प्रसिद्ध जमानी देव और परसापानी बफर क्षेत्र में जैसे ही पर्यटकों की जिप्सी आगे बढ़ी, घने जंगलों और मानसूनी हरियाली के बीच अचानक ‘बाघ और भालू’ बेहद करीब आ गए। इतने करीब से बाघ और भालू को एक साथ देखना पर्यटकों के लिए रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव था। जिप्सी में बैठे सैलानियों ने बिना एक पल गंवाए इस ऐतिहासिक और शानदार नजारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

दुनिया के 80 शहरों से जुड़ेगा इंदौर 15 से अबू धाबी के लिए सीधी फ्लाइट

इंदौर, दोपहर मेट्रो

करीब साढ़े चार माह के इंतजार के बाद इंदौर की अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा नए गंतव्य के साथ फिर शुरू होने जा रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 जुलाई से इंदौर और अबू धाबी के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी। इस उड़ान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम पुराने टर्मिनल पर होगा और वर्तमान टर्मिनल से उड़ान को रवाना किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने एयरपोर्ट अधिकारियों और विमान कंपनी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। नई सेवा से न केवल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि इंदौर का हवाई संपर्क यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व के 80 से अधिक शहरों तक भी आसान हो जाएगा।

हब एयरपोर्ट बनने से विभिन्न वर्गों को मिलेगा सीधा लाभ

दरअसल, फरवरी से बंद पड़ी शारजाह उड़ान को दोबारा शुरू करने की कई बार कोशिश हुई, लेकिन हर बार संचालन टालना पड़ा। अब एयर इंडिया एक्सप्रेस शारजाह की जगह अबू धाबी की उड़ान शुरू करने जा रहा है। इससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े एयरपोर्ट पर निर्भर हुए बिना सीधे अंतरराष्ट्रीय उड़ान की सुविधा मिलेगी। अबू धाबी का जायद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दुनिया के प्रमुख हब एयरपोर्ट्स में गिना जाता है। यहां से यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व के अनेक शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट उपलब्ध हैं। इसका सबसे अधिक लाभ व्यापारियों, विद्यार्थियों, एनआरआई परिवारों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े यात्रियों को मिलेगा।

मेट्रो एंकर | 434 साल बाद खुला इतिहास का खजाना!

पन्ना के मंदिर में मिली रसिकप्रिया की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपि

पन्ना, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में चल रहे ज्ञान भारतम् अभियान के तहत पन्ना जिले से भारतीय इतिहास और हिंदी साहित्य से जुड़ी एक बड़ी और महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। जिले के श्री राम-जानकी मंदिर में महाकवि आचार्य केशवदास द्वारा वर्ष 1591 ईस्वी में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ रसिकप्रिया की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपि मिली है। इसे हिंदी साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर माना जा रहा है। अभियान के दौरान सैकड़ों वर्ष पुरानी कई अन्य पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज भी सामने आए हैं, जिनके संरक्षण और डिजिटाइजेशन की तैयारी शुरू कर दी गई है।

ज्ञान भारतम् अभियान के दौरान पन्ना के श्री राम-जानकी मंदिर में महाकवि आचार्य केशवदास की वर्ष 1591 ईस्वी में लिखी गई प्रसिद्ध कृति रसिकप्रिया की हस्तलिखित प्रति मिली है। रसिकप्रिया हिंदी साहित्य की सबसे महत्वपूर्ण कृतियों में गिनी जाती है। इसमें श्रृंगार रस, नायिका-भेद और काव्य सौंदर्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चार सौ वर्ष से अधिक पुरानी इस पांडुलिपि का सुरक्षित मिलना हिंदी साहित्य और भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

ज्ञान भारतम् अभियान के तहत पन्ना जिले के घरों, मंदिरों और निजी संग्रहों में व्यापक खोज अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के 64 अलग-अलग स्थानों से करीब 300 से 400 वर्ष पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं। इनमें लगभग 220 वर्ष पुरानी श्रीमद्भागवत महापुराण की हस्तलिखित पांडुलिपि, प्राचीन विश्व मानचित्र और कई दुर्लभ धार्मिक व ऐतिहासिक ग्रंथ शामिल हैं। इसके अलावा प्रणामी संप्रदाय, जैन समुदाय और हिंदू धर्म से जुड़े भागवत गीता, पुराण सहित कई महत्वपूर्ण हस्तलिखित ग्रंथ भी मिले हैं।

बाजीराव पेशवा से जुड़ा हस्तलिखित पत्र भी आया सामने- अभियान के दौरान जिले के एक शास्त्री परिवार के संग्रह से वर्ष 1915 का बाजीराव पेशवा से जुड़ा हस्तलिखित पत्र भी मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह दस्तावेज उस दौर के सामाजिक और प्रशासनिक इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा तत्कालीन राजाओं, रियासतों और विभिन्न धार्मिक परंपराओं से जुड़े कई दुर्लभ दस्तावेज भी खोजे गए हैं।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा नया आयाम

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन सभी पांडुलिपियों का वैज्ञानिक संरक्षण और डिजिटाइजेशन किया गया तो भारतीय इतिहास, साहित्य, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान पर नए शोध के रास्ते खुलेंगे। पन्ना में मिली वर्ष 1591 की रसिकप्रिया की हस्तलिखित प्रति को ज्ञान भारतम् अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। यह खोज न केवल भारत की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को नई पहचान देगी, बल्कि पन्ना की ऐतिहासिक धरोहर को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगी।

मानसून का असंतुलन

देश के अधिकांश मैदानी इलाकों में इस समय मानसून की रफ्तार अपेक्षा से कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। शुरुआती दौर में अच्छी बारिश के बाद उत्तर भारत, मध्य भारत और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां धीमी हो गई हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मानसून के दौरान कुछ दिनों का 'ब्रेक' सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन यदि यह अवधि लंबी हो जाए तो इसका सीधा असर खेती, जलाशयों, बिजली उत्पादन और खाद्य कीमतों पर पड़ता है। इसलिए कमजोर पड़ते मानसून को केवल मौसम की घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की लगभग 50 प्रतिशत कृषि भूमि आज भी सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर है। देश की करीब 140 करोड़ आबादी की खाद्य सुरक्षा का बड़ा आधार यही मानसून है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का योगदान लगभग 15-16 प्रतिशत है, लेकिन देश की लगभग 45 प्रतिशत कार्यशील आबादी की आजीविका इसी क्षेत्र से जुड़ी हुई है। ऐसे में बारिश में थोड़ी-सी भी बड़ी कमी करोड़ों लोगों की आय और बाजार की मांग को प्रभावित कर सकती है।

कम बारिश का पहला असर खरीफ फसलों पर दिखाई देता है। धान, सोयाबीन, मक्का, दालें और कपास जैसी फसलों की बुआई प्रभावित होती है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो उत्पादन घटने की आशंका बढ़ेगी, जिसका परिणाम खाद्यान्न और सब्जियों की बढ़ती कीमतों के रूप में सामने आ सकता है। पहले भी कमजोर मानसून वाले वर्षों में खाद्य महंगाई ने आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाला है।

जल संकट भी एक गंभीर चिंता है। देश के अधिकांश बड़े जलाशयों और भूजल स्रोतों का पुनर्भरण मानसून पर निर्भर करता है। यदि बारिश सामान्य से कम रहती है तो गर्मियों में पेयजल संकट और अधिक गहरा सकता है। वहीं जलविद्युत उत्पादन में कमी आने से बिजली व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ सकता है। हालांकि राहत की बात यह है कि भारत के पास पहले की तुलना में बेहतर सिंचाई नेटवर्क, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और खाद्यान्न भंडार उपलब्ध हैं। फिर भी केवल प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहने की मानसिकता बदलनी होगी। सूक्ष्म सिंचाई, वर्षा जल संचयन, फसल विविधीकरण और जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है।

मानसून की हर कमजोरी हमें यही संदेश देती है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का नहीं, वर्तमान का संकट है। सरकारों के साथ किसानों, उद्योगों और नागरिकों को भी पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की संस्कृति अपनानी होगी। अच्छी बारिश की प्रतीक्षा जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है हर बूंद को सहेजने की तैयारी। यही भविष्य की सबसे बड़ी जल और खाद्य सुरक्षा होगी।

सिंधु जल संधि: भारत का सख्त रवैया और पाकिस्तान की बढ़ती बेचैनी

मृत्युंजय दीक्षित
स्तंभकार

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ जब से सिन्धु जल समझौता रद्द किया है, पाकिस्तान लगातार पूरी दुनिया के समक्ष पीड़ित देश होने का नाटक कर रहा है और हाथ-पांव मार रहा है कि किसी तरह दबाव में आकर भारत सिंधु जल समझौता बहाल कर दे। इसके साथ ही उसके पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी नेता विलावल भुटटो भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देने लगे हैं। भारत के कड़े तेवरों के कारण सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की बैचेनी अब चरम पर पहुंच चुकी है। इस्लामाबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया जिसमें पाकिस्तानी मंत्रियों और सांसदों ने भारत को धमकी देने का प्रयास किया। पाक उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि सिंधु जल संधि सिर्फ पानी बांटने का समझौता नहीं अपितु दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और सहयोग की मजबूत नीव है।

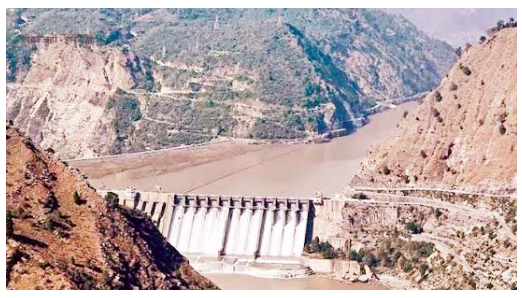

दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों में भारत एक माह में ही चार बार पाकिस्तान को आईना दिख चुका है। बिलावल ने धमकी देते हुए बयान दिया कि अगर पाकिस्तान के पानी को रोकने का प्रयास हुआ तो यह पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला माना जाएगा और यह परमाणु प्रतिक्रिया जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। आज पाकिस्तान सिंधु जल के लिए तरस रहा है और उसका असर वहां की आम जनजीवन पर दिखलाई पड़ने लगा है। इतना होने पर भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है। वह लगातार भारत के विरुद्ध आतंकवादी गतिविधियों को चला रहा है और आतंकियों को संरक्षण दे रहा है। अतः रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी पाकिस्तान को स्पष्ट सन्देश दे दिया है कि अब वह सिंधु जल समझौता पूरी तरह से भूल जाए क्योंकि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता।

इस बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह हुआ है कि भारत और पाकिस्तान की तथाकथित 116 बुद्धिजीवी हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर शांतिवार्ता पुनः शुरू करने की वकालत की है जिसे भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया है। एक बार फिर बता दिया है कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता।

सेंटर फॉर पीस एंड प्रोगेस के अध्यक्ष ओपी शाह की तरफ से 116 प्रमुख हस्तियों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 60 भारत व 56 पाकिस्तान से है। अब इन हस्तियों में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नाम भी जुड़ गया है। भारत की जिन 61 हस्तियों ने इस पत्र में हस्ताक्षर किए हैं उनमें अधिकतर वही लोग हैं जिन्होंने भारत पर हुए अब तक के किसी भी आतंकवादी हमले की ना तो निंदा की और न पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की सदा से पाकिस्तान के प्रति ही संवेदनाएं रही हैं, उन्हें पाकिस्तान के प्रति प्रेम रहा है, उनके बयान पाकिस्तानी मीडिया में छाए रहते है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का पटाक्षेप होने के बाद से महबूबा मुफ़्ती सईद और फारुख अब्दुल्ला परिवार पाकिस्तान प्रेम में छटपटा रहा है। राजद सांसद मनोज झा जिनकी भारत में कोई राजनैतिक हैसियत नहीं है ऐसे ही पाकिस्तान प्रेमी 61 लोगों की सूची देखने के बाद इन सभी की मंशा स्पष्ट हो रही है कि ये लोग वास्तव में शांति के नकली नायक बनकर भारतीयों और दुनिया के तमाम लोगों का ध्यान खींचना चाह रहे हैं और अपनी उपस्थिति का एहसास बिल्कुल उसी तरह कराना चाह रहे हैं और जिस प्रकार अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर और शाहबाज शरीफ मध्यस्थ बनकर शांति का ढिंढोरा पीट रहा था।

यह अत्यंत दुर्भाग्य की बात है शांति का ढिंढोरा पीटने वाले 1970 से लेकर पहलगाम तक जितने भी आंतकी हमले हुए उन्हें भूल चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान को शांति वार्ता करने के कई अवसर दिए और बारंबार दिए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तो बस लेकर पाकिस्तान गए थे, उसके बाद भारत को कारगिल का युद्ध लड़ना पड गया। पाकिस्तान भारत के खिलाफ न केवल आंतकवाद की समस्या पैदा कर रहा है अपितु भारत में शांति भंग करने व विकास कार्यों में बाधा पहुँचाने के लिए हर प्रकार की घृणित व विकृत साजिशों को लगातार अंजाम दे रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ही साजिशें रच रही थी।

आज जिन लोगों ने भारत और पाकिस्तान के साथ शांतिवार्ता शुरू करने की जो वकालत की है वे लोग तब कहाँ चले गए थे जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हो रहा था, हिन्दू बहिन-बेटियों पर क्रूर और शर्मनाक अत्याचार किये जा रहे थे। इन लोगों ने अपना पत्र ऐसे समय में लिखा है जब पाकिस्तान पाक अधिकृत कश्मीर में अपना दमनचक्र चला रहा है। पूरा पीओजेके पाकिस्तान के वर्चस्व से स्वतन्त्र होना चाह रहा है। अतः इन हस्तियों को ऐसे समय में पीओजेके के आंदोलनकारियों के समर्थन में आना चाहिए था और पाकिस्तान से कहना चाहिए था वह पाक अधिकृत कश्मीर को पूरी तरह से स्वतंत्र करे और बलूचिस्तान को भी आजादी दे। किंतु इन लोगों ने ऐसा कोई मुद्दा अपने पत्र में नहीं उठाया है जिससे इन लोगों की मंशा पर संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि इन लोगों ने अपने पत्र के माध्यम से पुलवामा में 40 जवानों की शहादत से लेकर पहलगाम हमले की निंदा तक नहीं की और उसे इतनी आसानी से भूल गए। वास्तविकता यह है कि आज जो लोग पत्र लिख रहे हैं इन्हें न भारत देश से कोई प्रेम है और न भारत की जनता से, ये राजनैतिक और आर्थिक स्वार्थ के लिए नाटक कर रहे हैं। भारत तो हमेशा से वार्ता की वकालत करता रहा है और आज भी कर रहा है। वह कई बार हर मंच पर स्पष्ट भी कर चुका है कि अब पाकिस्तान के साथ वार्ता केवल आतंकवाद पर होगी, बिना किसी मध्यस्थ के होगी और पाकिस्तान को पाक अधिकृत कश्मीर तत्काल प्रभाव से खाली करना ही होगा।

ताजा घटनाक्रम में, भारत के विरुद्ध षड्यंत्रों में शामिल रहने वाला चीन भी अब सिन्धु जल संधि के मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। देश को अपने वर्तमान नेतृत्व, रणनीति कारकों और सेना पर विश्वास रखना चाहिए कि वे इन षड्यंत्रकारी पड़ोसी देशों के षड्यंत्र को कभी सफल नहीं होने देंगे तथा भारत को सशक्त और सबल राष्ट्र के रूप में और स्थापित करेंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सात पुश्तों के लिए काली कमाई जोड़ कर बैठे हैं सरकार के भ्रष्ट अधिकारी!

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

देश में भ्रष्टाचार लाइलाज बीमारी बन रहा है जिससे आम आदमी को रोजाना दो चार होना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 के अनुसार, भारत 91वें स्थान पर है।इस सूची में 182 देशों को शामिल किया गया था, जिसमें भारत को 100 में से 39 अंक मिले हैं। 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक का अर्थ पूर्णतः पारदर्शी या ईमानदार होता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति में पिछली रैंकिंग के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है।

आपको बता दें कि देश के सिस्टम से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार व पद का दुरुपयोग कर जमा की गयी अकूत चल अचल संपत्ति का भंडार है। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग (विजिलेंस टीम) ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब रु. 35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में उनके घर के कोने-कोने से भारी मात्रा में घर के विभिन्न हिस्सों में पैकेटों में छिपाकर रखे गए रु.1.62 करोड़ नकद मिले।लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब रु.20 करोड़ आंकी गई है। लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत रु.13 करोड़ के आसपास है।बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में रु.1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले। इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ 20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। रु.300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पर्दाफाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए रु.300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं। ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे।

इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कीद्य उनके खिलाफ रु.10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से रु.2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई हैद्य किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-I), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को रु.10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा थाद्यबरामद की गई जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर रु.1.53 करोड़ से अधिक नकद रु.60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएंद्य लगभग रु.62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात लगभग रु.2.94 करोड़ यह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है।

केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा तो रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है।सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सार्वजनिक जीवन में अब इसे रिश्वत , घूस के बजाय सुविधाशुल्क और प्रथा के रूप में अपनाया जा चुका हैं। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर कदम पर भ्रष्टाचार की विषबेल फैल रही हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का जलते देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है। जाहिर है कि देश की उन्नति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और आम चुनाव का मुद्दा भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग ही होना चाहिए क्योंकि पुलिस पटवारी से लेकर ऊंची न्याय की कुर्सियों तक भ्रष्टाचार की जड़ें देश को खोखला कर रहीं हैं और देश की तरक्की में बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

अक्सर होने वाला सिरदर्द चिंता की बात, लेकिन हर बार एमआरआई की जरूरत नहीं

सिरदर्द, स्वास्थ्य से जुड़ी सबसे आम समस्याओं में से एक है और ज्यादातर मामलों में, यह किसी गंभीर मेडिकल समस्या की वजह से नहीं होता है। लेकिन इसके बावजूद भी कई लोगों को सिरदर्द होने पर चिंता होने लगती है कि उनके सिर में होने वाला दर्द कहीं ब्रेन ट्यूमर या किसी और गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। ऐसे में कई बार व्यक्ति MRI स्कैन करवाने की मांग करने लगते हैं। इस पर डॉ. लोकेश बी (सीनियर कंसल्टेंट - न्यूरोलॉजी, एस्टर सीएमआई हॉस्पिटल, बैंगलोर) कहते हैं कि हर सिरदर्द के लिए MRI की जरूरत नहीं होती है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति को बार-बार सिरदर्द हो रहा है या उसको सिरदर्द के साथ गंभीर लक्षण भी महसूस हो रहे हैं तो ऐसे में डॉक्टर कंप्लीट जांच के लिए कुछ मामलों में एमआरआई की भी सलाह दे सकते हैं।

ज्यादातर सिरदर्द को 'प्राइमरी हेडेक' की श्रेणी में रखा जाता है, जैसे कि टेंशन हेडेक, माइग्रेन या क्लस्टर हेडेक। इन स्थितियों का पता आमतौर पर व्यक्ति के लक्षणों, मेडिकल हिस्ट्री और शारीरिक जांच के आधार पर लगाया जाता है। एमआरआई एक उन्नत इमेजिंग टेस्ट है, जो चुंबकीय तरंगों और रेडियो वेव्स की मदद से मस्तिष्क और आसपास की बनावट की विस्तृत तस्वीर तैयार करता है। इसमें एक्स-रे जैसी रेडिएशन का उपयोग नहीं होता। यदि डॉक्टर को संदेह हो कि सिरदर्द के पीछे कोई गंभीर कारण हो सकता है इस टेस्ट से उसकी पुष्टि हो सकती है ।

किसी व्यक्ति अचानक और तेज सिरदर्द जो कुछ ही सेकंड या मिनटों में बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तो उसके लिए एमआरआई स्कैन की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में पहली बार सिरदर्द; और ऐसा सिरदर्द जिसके साथ बुखार, दौरे पड़ना, उलझन, कमजोरी, बोलने में कठिनाई या देखने की क्षमता में बदलाव जैसे लक्षण हों तब भी आपको इमेजिंग के जरिए और अधिक जांच की जरूरत पड़ सकती है।

फिलहाल डॉक्टर कहते हैं कि ज्यादातर सिरदर्द के लिए स्कैन की जरूरत नहीं होती है। यह स्कैन आमतौर पर उन स्थितियों के लिए किया जाता है जहां लक्षण किसी संभावित न्यूरोलॉजिकल समस्या का संकेत देते हैं या जब कुछ खास चेतावनी वाले संकेत मौजूद होते हैं। यदि सिरदर्द के साथ-साथ कमजोरी, धुंधला दिखना, बोलने में परेशानी, बार-बार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण हों, तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करना चाहिए। सही समय पर जांच और इलाज गंभीर जटिलताओं से बचा सकता है।

निशाना

पेट पर पाँव रखकर चढ़ो..!

रामकिशोर नाविक

आदमी के लिये मत लड़ो
फ्रेम में आदमीयत जड़ो
इस ज़माने का दस्तूर है
पेट पर पाँव रखकर बढ़ो
खूब दंगे कराओ स्वयं
दाढ़ी टोपी के सर पर मढ़ो
रात दिन कागज़ों को रंगो
ये ज़रूरी नहीं कुछ पढ़ो
तिकड़मों के कलाकार बन
उन्नति के शिखर पर चढ़ो।

यूजर्स गाइड

आधार ऐप के पिन की गोपनीयता ,फ्रॉड से बचने के लिए इसे बदलते रहना जरूरी

आज के डिजिटल दौर में हमारा आधार कार्ड सिर्फ एक पहचान पत्र नहीं, बल्कि हमारी डिजिटल पहचान बन चुका है। बैंक अकाउंट खुलवाने से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तक, हर जगह आधार की जरूरत होती है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) नागरिकों को अपने मोबाइल पर ही आधार की सेवाओं का इस्तेमाल करने की सुविधा देता है। लोग ऐप के जरिए आधार से जुड़ी कई सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। लेकिन, क्या आपका Aadhaar ऐप पूरी तरह सुरक्षित है? UIDAI हमेशा यह सलाह देता है कि अपनी डिजिटल पहचान को सुरक्षित रखने के लिए आपको समय-समय पर अपने Aadhaar ऐप का 4 अंकों का पिन (PIN) बदलते रहना चाहिए। हाल ही में UIDAI ने अपने एक्स अकाउंट से लोगों को पिन बदलने का तरीका बताया है। एक वीडियो के जरिए पूरी प्रक्रिया बताई गई है।

अगर कोई आपका मोबाइल अनलॉक कर लेता है, तब भी बिना पिन के वह आपके आधार डेटा तक नहीं पहुंच सकता। अगर आपको लगता है कि किसी को आपके आधार ऐप का पिन पता चल गया है तो आपको उसे तुरंत बदल देना चाहिए। कई बार हमारे करीबी या दोस्त हमारा पिन देख लेते हैं। समय-समय पर पिन बदलने से आपका डेटा सुरक्षित रहता है। आपके आधार ऐप पर कई जरूरी सेवाओं जैसे- आधार लॉक/अनलॉक, ई-केवाईसी मिलती हैं। पिन सुरक्षित रहने से इसका गलत इस्तेमाल नहीं हो पाता।

अपने ऐप का पिन बदलना बेहद आसान है। सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में Aadhaar ऐप ओपन करें। अब आपको छह डिजिट वाले पिन से लॉग इन करना होगा। ओपन करते ही आपको नीचे की तरफ नेविगेशन बार में सुरक्षा (Security) का ऑप्शन मिलेगा। आपको आपको ऐप सिक्योरिटी पर क्लिक करना है। फिर पिन बदलना के ऑप्शन पर क्लिक करें। अब अपना मौजूदा छह डिजिट वाला पिन डालें। फिर दो बार नया छह डिजिट वाला पिन डालें। अगर दोनों पिन एक नहीं होंगे तो एरर आएगा। इसके बाद पिन बदलने को कन्फर्म करें।

पिन बदलते समय ध्यान रखें कि जन्मतिथि या '1234' जैसे आसान नंबर ना रखें, थोड़ा मुश्किल पिन बनाएं, जो दूसरों के लिए सोचना आसान ना हो।

आस्था

मंदसौर के मंदिर में लगा है सबसे बड़ा घंटा कई किलोमीटर दूर सुनाई देती है आवाज

मंदिरों में प्रवेश करते ही सबसे पहले जो ध्वनि श्रद्धालुओं का स्वागत करती है, वह है घंटे की मधुर गूंज। हिंदू धर्म में मंदिर का घंटा केवल पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि शुभता, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक वातावरण का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि घंटे की आवाज से आसपास का वातावरण पवित्र होता है और भक्त एकाग्र होकर भगवान की आराधना कर पाते हैं। देशभर के मंदिरों में अलग-अलग आकार के घंटे लगे हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के मंदसौर में स्थापित एक विशाल घंटा अपनी भव्यता और अनोखी खासियत के कारण विशेष पहचान रखता है।

मंदसौर स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर के पास बने सहस्त्र शिवलिंग मंदिर में करीब 3,700 किलोग्राम (लगभग 37 क्विंटल) वजन का महा घंटा स्थापित है। इसे भारत के सबसे बड़े मंदिर घंटों में गिना जाता है। लगभग 7.5 फीट ऊंचा और करीब 6.5 फीट व्यास वाला यह घंटा अपने विशाल आकार के कारण दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना रहता है। इस महा घंटे का निर्माण भी अपने आप में प्रेरणादायक कहानी है। इसे बनाने का संकल्प एक सामाजिक एवं धार्मिक संस्था ने लिया था। इसके बाद संस्था के सदस्यों ने कई वर्षों तक गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों से पुराने पीतल और तांबे के बर्तन एकत्र किए। श्रद्धालुओं ने न केवल धातु दान की, बल्कि आर्थिक सहयोग भी दिया। करीब तीन साल तक चले इस अभियान के बाद इकट्ठा की गई धातु को गुजरात के अहमदाबाद भेजा गया, जहां अनुभवी कारीगरों ने लगभग छह महीने की मेहनत से इस विशाल घंटे को तैयार किया।

36 लाख रुपये की आई लागत: बताया जाता है कि घंटे को ढालने के बाद उसे प्राकृतिक तरीके से मजबूत बनाने के लिए कुछ समय तक जमीन में सुरक्षित रखा गया। इस पूरे निर्माण कार्य में करीब 36 लाख रुपये की लागत आई। तैयार होने के बाद इस भारी-भरकम घंटे को विशेष ट्रॉली की मदद से गुजरात से मंदसौर लाया गया है। मंदिर परिसर में इसे स्थापित करना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। इसके लिए मजबूत लोहे का विशेष ढांचा तैयार किया गया और गहरी नींव बनाकर भारी क्रेन की सहायता से घंटे को सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया गया।

न्यूज विंडो

संस्कृति ज्ञान परीक्षा में मेरिट पाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

गंजबासौदा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का गायत्री प्रज्ञापीठ, वरेठ रोड पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं सम्मान निधि प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस परीक्षा में देशभर के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की सहभागिता रहती है। परीक्षा के परिणामों के आधार पर विकासखंड, तहसील, जिला एवं प्रदेश स्तर पर प्रावीण्य सूची तैयार की जाती है, जिसमें स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर आयुष रघुवंशी (डॉल्फिन हाई स्कूल), कुमारी दांगी (सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल) तथा अनुज दांगी (शासकीय एक्सीलेंस स्कूल) को प्रमाण पत्र एवं सम्मान निधि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने कहा कि आज की पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यदि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजेंगे और नई पीढ़ी तक पहुंचाएंगे, तो भारत विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान और गौरव बनाए रखेगा। कार्यक्रम को श्याम सुंदर माथुर, जय राम अहिरवार, एस.के. पाल, शिव सिंह यादव (व्याख्याता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पवई), महाराज सिंह दांगी एवं रघुवीर सिंह परिहार ने भी संबोधित किया। समारोह में गायत्री परिवार के परिजन, विद्यार्थियों के अभिभावक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पांच दिन ऑपरेशन थियेटर के बाहर डिब्बे में बंद पड़ा रहा नवजात का शव

जबलपुर। जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक मृत नवजात शिशु का शव लगभग पांच दिनों तक ऑपरेशन थियेटर के बाहर एक डिब्बे में बंद पड़ा रहा। अस्पताल प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय की कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। घटना मंडला निवासी एक यादव परिवार की बताई गई है। मेडिकल रिकॉर्ड में प्रसूता की उम्र 17 वर्ष दर्ज होने के कारण अस्पताल ने इसे नाबालिग से जुड़ा मामला मानते हुए गढ़ा थाना पुलिस को सूचित किया है।

बालाघाट में फोर्टिफाइड चावल घोटाले की जांच हुई तेज

बालाघाट। बालाघाट में फोर्टिफाइड चावल घोटाले की जांच तेज हो गई है। 17 ट्रक जब्त किए जा चुके हैं। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ हुई है, जबकि 13 से अधिक को नामजद किया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, कई रसूखदारों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

सिवनी पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया

सिवनी। जिले की डुण्डासिवनी पुलिस ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को देर रात गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दावा किया है कि इस गिरफ्तारी से डुण्डासिवनी थाना क्षेत्र की चार और कोतवाली थाना क्षेत्र की एक चोरी सहित कुल पांच वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 7 लाख 27 हजार रुपये का चोरी का सामान और नकदी बरामद की गई है।

पहलगाम में बादल फटे, पांढुर्ना के 70 श्रद्धालु फंसे, फिलहाल सुरक्षित

पांढुर्णा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में बादल फटने के बाद अमरनाथ यात्रा एहतियात के तौर पर रोक दी गई। इस घटना की वजह से पांढुर्णा से अमरनाथ यात्रा पर गए 70 श्रद्धालु बीते दिन पहलगाम में ही फंस गए। राहत की बात यह है कि सभी श्रद्धालु पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें स्थानीय होटलों में ठहराया गया है।

औबेदुल्लागंज में वन माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई

सागौन तस्करी की करते चार आरोपी गिरफ्तार, चार पहिया वाहन जब्त

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वाले तस्करों के खिलाफ औबेदुल्लागंज वन मंडल की देलाबाड़ी टीम ने देर रात एक साहसी और सटीक कार्रवाई को अंजाम दिया है। वन विभाग ने अवैध रूप से सागौन की लकड़ी ढो रहे दो वाहनों को पकड़ा है और मौके से ही चार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

देलाबाड़ी वन परिक्षेत्र के अधिकारियों को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वन क्षेत्रों से कीमती सागौन की लकड़ी काटकर उसे शहरों में खपाने की तैयारी है। विभाग ने जाल बिछाया और देर रात दो गाड़ियों–होंडा सिटी और महिंद्रा बोलेरो को धर दबोचा। तलाशी लेने पर गाड़ियों के अंदर सागौन की भारी मात्रा में लकड़ी बरामद हुई, जिसे तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। वन विभाग ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सुरेश (पिता कान्हा बारेला, निवासी सुरई ढाबा), अर्पित यादव (पिता शारदा प्रसाद यादव, निवासी मालाखेड़ी), नितेश यादव (पिता छोटे लाल यादव, निवासी मालाखेड़ी), सोहेल शेख (पिता नासिर शेख, निवासी मालाखेड़ी), वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशांत खरे ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और

उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया गया है। विभाग अब इस बात की गहन जाँच कर रहा है कि यह लकड़ी आखिर किस क्षेत्र से काटी गई थी और इसकी जड़ें कहाँ तक फैली हैं। तस्करी में इस्तेमाल किए गए दोनों वाहनों की राजसात (जब्ती) की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

इस सफल कार्रवाई में डिप्टी रेंजर अवधेश मिश्रा, वनरक्षक रोहित कौशिक, बलबीर सिंह, दिनेश, बिलार सिंह, जगदीश और मनोहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग की यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश है कि वन संपदा को नुकसान पहुँचाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। विभाग अब तस्करी के पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने की तैयारी में है।

सतना पुलिस की सफलता

सोहावल बायपास पर ट्रकों की बैटरी चुराने वाला गिरोह पकड़ाया

सतना। दोपहर मेट्रो

सतना-पन्ना मार्ग स्थित सोहावल बायपास पर खड़े ट्रकों की बैटरियां चोरी करने वाले गिरोह का आखिरकार पर्दाफाश हो गया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चार बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली एक जीप जब्त की है। आरोपी बीते कुछ समय से लगातार बायपास पर खड़े होने वाले ट्रकों को निशाना बना रहे थे और उनमें से बैटरियां चुरा लेते थे। पुलिस को लगातार इनके खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, सोहावल बायपास पर कई दिनों से रात के समय खड़े ट्रकों की बैटरियां चोरी होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं। चोरी से परेशान ट्रक मालिक और चालक पिछले तीन-चार दिनों से रातभर निगरानी कर रहे थे। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात जैसे ही तीन संदिग्ध युवक बैटरी चोरी करने पहुंचे, ट्रक मालिकों और चालकों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया और तत्काल सिविल लाइन पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस के अनुसार अहरी टोला निवासी फरियादी पुनीत सिंह की शिकायत के बाद गिरोह की काफी समय से तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन सिंह निवासी माधवगढ़ टिकुरिया, उदय सिंह निवासी टिकुरिया तथा अजीत कुमार रवि निवासी घूरडांग, कोलगवां के रूप में हुई है।

होटल में पत्नी ने पति को दूसरी युवती के साथ पकड़ा, रीवा में दो दिन से तलाश कर रही थी पत्नी

रीवा। दोपहर मेट्रो

नया बस स्टैंड स्थित होटल पंगत में रविवार दोपहर को उस वक्त हंगामा मच गया जब एक युवती ने होटल के कमरे में अपने पति को एक दूसरी लड़की के साथ पकड़ा। पत्नी होटल पहुंची और कमरे का दरवाजा खटखटाया, दरवाजा खुलते ही दूसरी लड़की को देख पत्नी भड़क उठी और पति पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। इसके बाद पत्नी पति व होटल के कमरे में मौजूद लड़की को पकड़कर अपने साथ थाने लेकर पहुंची। पति को पकड़कर थाने लेकर पहुंची पत्नी ने बताया कि एक साल पहले 3 जुलाई 2025 को उसने सीधी के रहने वाले आकाश सिंह से हाईकोर्ट में लव मैरिज की थी। शादी के बाद जनवरी तक सब ठीक रहा लेकिन जनवरी के महीने में आकाश चुपचाप उसे बिना कुछ बताए

अपने गांव चला गया और अपना मोबाइल बंद कर उससे दूरी बना दी। पत्नी को उसकी हरकतों पर संदेह हुआ तो उसने पति के बारे में जानकारी जुटाई। तब उसे पता चला कि पति आकाश गांव की जमीन बेचकर चला गया है। पति आकाश के बारे में वो लगातार पता लगाने में जुटी हुई थी, उसने बताया कि दो दिन पहले उसके मोबाइल पर पति की फेसबुक आईडी लॉग इन हो गई। वो फेसबुक के जरिए पति को ट्रेस कर रही थी। वो रीवा में रहकर पढ़ाई करती है, रविवार दोपहर को जब वो अपने घर सीधी जा रही थी तभी पति को बाइक पर दूसरी लड़की को लेकर जाते देखा। पत्नी ने दोनों का पीछा किया और दो घंटे की मशक्कत के बाद पंगत होटल के कमरे में पति आकाश को दूसरी लड़की के साथ पकड़ा। बताया गया है कि पति आकाश जिस युवती के साथ होटल के कमरे में पकड़ाया है वो उसे धोखा देकर कमरे में लाया था। सोशल नेटवर्किंग साइट पर उसने खुद को कुंवारा बताकर युवती को प्रेम जाल में फंसाया था। होटल के कमरे में लाकर आकाश ने उसकी मांग भी भरी थी। प्रेमिका को उसके शादीशुदा होने की जानकारी नहीं थी।

महिला ने ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर कर ली आत्महत्या

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। महिला ने मरने से पहले अपने हाथों और पैरों पर मेहंदी से सुसाइड नोट लिखा है, इसमें उसने ससुराल में सालों से मिल रही प्रताड़ना की जो बातें लिखी हैं वो रूह कंपा देने वाली हैं। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतका के हाथ-पैरों पर लिखे सुसाइड नोट की वीडियोग्राफी भी कराई है। चौरई थाना क्षेत्र में रहने वाली 32 वर्षीय प्रीति वर्मा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। प्रीति ने मरने से पहले अपने हाथों और पैरों पर मेहंदी से सुसाइड नोट लिखा है। मेहंदी से उसने अपने हाथ व पैरों पर ससुराल में दी जा रही प्रताड़ना के बारे में लिखा है। परिजनों ने बताया कि प्रीति की शादी करीब 13 साल पहले लखन वर्मा के साथ हुई थी लेकिन शादी के बाद से ही पति लखन व उसके परिवार वाले प्रीति को प्रताड़ित करते थे। मृतका प्रीति के भाई हरिओम जांघेला ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि शायद प्रीति को इस बात का डर था कि उसकी मौत के बाद ससुरालवाले उसका कागज पर लिखा सुसाइड नोट नष्ट कर सकते हैं। इसलिए उसने अपने शरीर पर मेहंदी से ही सुसाइड नोट लिख दिया, जिससे कि उसे मिटाया न जा सके। भाई हरिओम जांघेला ने पति और ससुरालवाले प्रीति को लंबे समय से प्रताड़ित कर रहे थे। उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ित किया जाता था।

नरसिंहपुर के सालीचौका में किसान परिवार धरने पर बैठा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के सालीचौका के वार्ड नंबर 5 में एक किसान ने अपने खेत का पुराना रास्ता बंद होने और पड़ोसी के उसे जोतने के विरोध में परिवार समेत धरना दिया। किसान अपने हाथ में कैरोसिन की कुप्पी लेकर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रास्ते पर बैठ गया। उसने रास्ता ठीक न होने पर सुसाइड की चेतावनी दी।पुलिस के हस्तक्षेप के बाद किसान ने अपना धरना खत्म कर दिया और परिवार के साथ घर लौट गया।

कलेक्टर की पहल से सिवनी मालवा में चला अभिनव अभियान

18 घंटे की गौमाता चातुर्मास यात्रा, 2400 निराश्रित गौवंश को मिला सुरक्षित आश्रय

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में गौ संरक्षण और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन की एक अनूठी पहल सफल रही। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में सिवनी मालवा तहसील में चलाए गए गौमाता चातुर्मास यात्रा अभियान के तहत करीब 2400 निराश्रित गौवंश को सुरक्षित रूप से ग्राम बांदर खो स्थित आचार्य विद्यासागर दयोदय गौशाला पहुंचाया। करीब 18 घंटे तक लगातार चले इस अभियान से अब मुख्य मार्गों पर विचरण करने वाले गौवंश को सुरक्षित आश्रय मिलने के साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

प्रशासन के अनुसार सिवनी मालवा क्षेत्र की 10 शासकीय और एक अस्थायी गौशाला पूरी तरह भर चुकी थीं। ऐसे में बांदर खो स्थित निजी गौशाला प्रबंधन ने लगभग 2500 गौवंश के लिए अपनी खाली क्षमता उपलब्ध कराने की सहमति दी। इसके बाद प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, गौसेवकों और स्थानीय नागरिकों ने

करीब 10 दिनों तक बैठकें और जनसंपर्क कर अभियान की विस्तृत योजना तैयार की। अभियान का शुभारंभ ग्राम हिरनखेड़ा से हुआ। लगभग 40 किलोमीटर लंबी यात्रा में विभिन्न गांवों से निराश्रित गौवंश को व्यवस्थित तरीके से शामिल करते हुए बांदर खो गौशाला तक पहुंचाया गया। पूरे अभियान के दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभाली। एसडीएम विजय राय सहित प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और गौसेवकों ने करीब 18 घंटे तक पैदल चलकर अभियान का नेतृत्व किया। शनिवार देर रात अभियान के समापन पर सभी 2400 गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशाला में प्रवेश कराया गया। प्रशासन का मानना है कि यह पहल गौ संरक्षण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इस अभियान में समाजसेवी संतोष पारीख, एसडीएम विजय राय, तहसीलदार नितिन झोड़,नायब तहसीलदार आलोक भद्र, एवं कीर्ति प्रधान, जनपद सीईओ श्रुति सिंह, नपाध्यक्ष रितेश जैन, सीएमओ अमर सिंह, समाज सेवी दीपक पालीवाल, प्रवीण अवस्थी, कमलेश लोवंशी,पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन पालीवाल, डॉ उत्कर्ष भारद्वाज सहित कर्मचारी और गौसेवकों ने सहयोग किया है जिले में इस अभियान को गौ संवर्धन और सकारात्मक उदाहरण माना जा रहा है।

मेट्रो एंकर पूर्व विधायक शर्मा के निवास पर समाज की महत्वपूर्ण बैठक में लिया निर्णय, जिला संयोजक बने रवि दुबे

जिझौतिया ब्राह्मण समाज 9 अगस्त को करेगा प्रतिभा सम्मान समारोह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कड़ा माणिकपुरी जिझौतिया ब्राह्मण समाज द्वारा 9 अगस्त 2026 को साईं कृष्णा रिसॉर्ट, नर्मदापुरम में आयोजित होने वाले जिलास्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं युवा समागम की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए रविवार को पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा के निवास पर समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया तथा रवि दुबे को सर्वसम्मति से जिला संयोजक नियुक्त किया गया।

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए सुझाव दिए। समाज के अन्य सामाजिक कार्यकमों के प्रभावी संचालन के उद्देश्य से 30 सदस्यीय जिला

सलाहकार मंडल का भी गठन किया गया। साथ ही आगामी शिक्षक दिवस पर समाज के शिक्षकों के सम्मान समारोह आयोजित करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. विनय दुबे ने समाज की एकता और सामाजिक गतिविधियों की निरंतरता पर बल देते हुए कहा कि समाज के कार्यक्रम नियमित रूप से होते रहने चाहिए। पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने आयोजन को लेकर पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि समाज को केवल प्रतिभा सम्मान समारोह तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि एकजुट होकर भविष्य में भी लगातार सामाजिक और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी नरेंद्र तिवारी, हेमंत दुबे, प्रभारी प्राचार्य डॉ. भारती दुबे, कैलाश दुबे, अरुण दीक्षित, संतोष दीवान, राजीव दुबे, विनोद परसाई, प्रदीप दुबे एवं श्यामसरन तिवारी मंचासीन रहे। वक्ताओं ने समाज के संगठन को मजबूत करने, युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं के सम्मान की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन संतोष दुबे एवं शैलेन्द्र दुबे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रजत दुबे ने व्यक्त किया। बैठक के अंत में आयोजन को सफल बनाने के लिए गठित विभिन्न समितियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

मानसून के बीच तारादेही वन परिक्षेत्र की समनापुर चौकी के सामने दिखाई दिए दर्जनों की संख्या में गिद्धों के झुंड, प्रकृति के लिए सुखद संकेत

फिर नजर आने लगे प्रकृति की सफाई वाले गिद्ध ,जंगल में बना रहे बसेरा

विशाल रजक/अंकित घोषी । दोपहर मेट्रो

तारादेही/तेंदूखेड़ा। पिछले कई सालों से विलुप्त होते जा रहे गिद्धों को लेकर एक सराकात्मक खबर सामने आई है और जिले के जंगली क्षेत्रों में कुछ जगह गिद्ध के झुंड नजर आए हैं। ऐसे हालातों में अब वन्य जीव विशेषज्ञ इसे प्रकृति के साथ विलुप्त प्रजाति के लिए सुखद मान रहे हैं। बीते दिन ऐसा नजारा तारादेही वन परिक्षेत्र की समनापुर चौकी के सामने मृत पड़े मवेशियों को खाते हुए देखने को मिला। जहां गिद्धों का एक बड़ा झुंड हरे-भरे पेड़ों के नीचे सड़क किनारे एक मृत पड़े मवेशी को खा रहे थे। पिछले कुछ सालों में क्षेत्र में गिद्ध नजर आने बंद हो चुके थे, हालात यह थे कि विलुप्त होते गिद्धों की तलाश वन्य क्षेत्रों में की जाती थी। लंबे समय के बाद धीरे-धीरे यह नजर आने शुरू हुए और इन दिनों यह झुंड में भी

नजर आने लगे हैं। अब यह पहले की तरह प्रकृति को शुद्ध करते भी नजर आने लगे हैं। दरअसल गिद्ध की प्रमुख विशेषता उसकी पर्यावरण को स्वच्छ रखने की कुदरती कला है। गिद्ध एक ऐसा पक्षी है जो जंगलों में मृत जानवरों के अवशेषों और सड़े गले मांस को जल्दी से खा जाता है। जिस कारण अवशेषों की दुर्गंध जंगल में फैल नहीं पाती है वहां का इकोसिस्टम स्वच्छ बना रहता है।

तारादेही की और जाते समय सड़क किनारे पड़े दो मृतक मवेशी के पास दर्जनों की संख्या में गिद्ध देखे गए हैं। ये सभी नई उम्र के लग रहे थे। ये इनकी प्रजाति के लिए अच्छी खबर है कि इनकी प्रजातियों को तारादेही क्षेत्र का वातावरण रास आ रहा है और यहां वे अपनी प्रजाति को बढ़ा रहे हैं। मुख्य मार्ग के किनारे एक मृत गाय को भोजन के तौर पर खा रहे थे। इनको राहगीर एक बार रुक कर देख जरूर रहे थे और अपने मोबाइल के कैमरे में कैद जरूर कर रहे थे।

कई बदलाव होने के बाद मिले परिणाम

गिद्धों की बढ़ती संख्या के पीछे शुरू किए गए प्रयास हैं। जहां एक ओर संरक्षण शुरू किया गया तो दूसरी ओर ग्रामीण अंचल के किसानों में जैविक खेती की ओर बढ़ता रुझान और घातक कीटनाशकों के उपयोग में कमी है। दरअसल दो दशक पहले तक बुंदेलखंड अंचल में गिद्धों की कई प्रजातियों का बसेरा था, लेकिन पैदावार बढ़ाने के लिए जैविक खाद, कीटनाशकों का बेतहाशा उपयोग इनका दुश्मन बन गया। इसके अलावा बस्तियों के आसपास ऊंचे वृक्ष भी काट दिए गए। इस वजह से घोंसले बनाने के ठिकाने भी घट गए और इन सभी वजहों ने गिद्धों की प्रजातियों को खतरे में डाल दिया। पिछले सात वर्षों से गिद्धों की संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने का कार्य शुरु किया जिसके नतीजे सकारात्मक हैं। जो अब उम्मीद जगा रहे हैं।

गिद्ध हैं अहम, सहयोग करने की अपील

वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र गुर्जर ने कहा कि गिद्ध पर्यावरण के सफाईकर्मी व मानव जीवन में भूमिका अहम है। उन्होंने गिद्धों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण व संवर्धन और उन्हें बचाने में सहयोग करने की आमजन से अपील की है।

न्यूज विंडो

जबेरा ब्लॉक के नजदीकी ग्रामों के बच्चे पहनेंगे टाइगर प्रिंट टी-शर्ट

तेन्दूखेड़ा। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के आसपास के ग्रामीण इलाकों में जल्द ही एक अनोखा नजारा देखने को मिलेगा यहां के बच्चे बाघ, चीते और अन्य वन्यजीवों के सुंदर चित्रों से सजी टी-शर्ट पहने नजर आएंगे वन विभाग ने बच्चों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यह खास और अनूठी पहल की है। 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में टी-शर्ट चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 18 जुलाई को सुबह 11 बजे से दमोह सागर और नरसिंहपुर जिलों के विभिन्न केंद्रों पर यह प्रतियोगिता आयोजित होगी, इसमें दमोह सहित तेन्दूखेड़ा जबेरा रहली, देवरी करेली जैसे क्षेत्रों के करीब 150 सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के 1800 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के ये बाल कलाकार सफेद टी-शर्ट पर फैब्रिक कलर से वन्यजीवों और उनके रहवास को उकेरेंगे। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले स्कूली बच्चों द्वारा पेंट की गई ये शानदार टी-शर्ट्स टाइगर रिजर्व के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को उपहार स्वरूप बांटी जाएंगी। इससे जहां एक ओर बच्चों में वन्य जीवों के प्रति प्रेम जागेगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी पर्यावरण संरक्षण के इस संदेश के वाहक बनेंगे प्रतियोगिता को लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों ने सभी प्राचार्यों को निर्देश जारी कर दिए हैं। 2 घंटे की इस परीक्षा में कला का जादू बिखेरना होगा। विजेताओं की हौसला अफजाई के लिए प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना श्रेणियों के साथ-साथ एक विशेष ग्रैंड पुरस्कार भी रखा गया है, जिसके तहत कुल 320 से अधिक पुरस्कार बाटे जाएंगे।

मोटरसाइकिल भिड़ंत में दो युवकों की मौत, तीन लोग मौत से लड़ रहे

बैतूल। जिले के आमढाना-रानीपुर मार्ग पर बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे बैतूल से पाथाखेड़ा जा रही एक मोटरसाइकिल और रानीपुर से आमढाना आ रही दूसरी मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में आमढाना निवासी राहुल उईके और पाथाखेड़ा के शास्त्री नगर निवासी लड्डू वाडकड़े की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में उमेश वाडवा, चेतन सूर्यवंशी और सुरेश सतनकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को जिला अस्पताल बैतूल रेफर किया गया। चेतन सूर्यवंशी की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए नागपुर भेजा गया, जबकि अन्य दो घायलों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। रानीपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में दोनों मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर की बात सामने आई है। हालांकि, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने किसी भारी वाहन की टक्कर की आशंका भी जताई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कमानी गेट से परासिया तक सड़क की जर्जर हालत पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कई स्थानों पर सड़क उखड़ी हुई है और गहरे गड्ढे व दरारें हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। लोगों का मानना है कि सड़क की खराब स्थिति भी हादसे की एक संभावित वजह हो सकती है। इस दुर्घटना में दो परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, जबकि तीन अन्य घायल जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

साइबर ठग महिला बनकर लोगों को बनाता था शिकार

लड़की की आवाज में शादी का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो स्वयं को युवती बताकर लोगों को प्रेमजाल एवं शादी के झांसे में फंसाता था तथा विभिन्न बहानों से ऑनलाइन राशि प्राप्त कर धोखाधड़ी करता था।

11 जुलाई को थाना तेंदूखेड़ा में ग्राम बहेरिया निवासी बोहत उर्फ बिट्टू गौंड (19 वर्ष) ने अपनी माता भागवती गौंड, मामा इंदूर सिंह एवं अन्य परिजनों के साथ उपस्थित होकर लिखित शिकायत प्रस्तुत की। जिसमें बताया कि लगभग आठ माह पूर्व नवंबर 2025 में उसके मोबाइल पर नंबर 8770266596 से लड़की की आवाज में फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं का नाम 'मुस्कान गौंड' बताते हुए इमलिया निवासी एवं तेंदूखेड़ा के शासकीय अस्पताल में नर्स होने का दावा किया। बातचीत के दौरान उसने प्रार्थी से प्रेम संबंध स्थापित किए तथा विवाह करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद आरोपी ने ड्यूटी, फाइल लाने, वाहन खरीदने एवं अन्य आवश्यक खर्चों का हवाला देकर समय-समय पर ऑनलाइन धनराशि प्राप्त की। प्रार्थी, उसके मित्रों तथा परिजनों द्वारा विभिन्न तिथियों में फोन-पे के माध्यम से आरोपी

के खाते में कई किस्तों में राशि भेजी गई।

जब प्रार्थी ने वीडियो कॉल करने का दबाव बनाया तो आरोपी लगातार बहाने बनाता रहा। बाद में वीडियो कॉल के दौरान प्रार्थी को संदेह हुआ कि सामने कोई महिला नहीं बल्कि महिला का वेश धारण किए हुए पुरुष है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने पर पता चला कि उक्त मोबाइल नंबर से अन्य लोगों को भी 'मुस्कान' एवं 'प्रियंका' नाम से फोन कर विवाह का झांसा देकर धनराशि ऐंठी गई थी। प्रकरण में थाना तेंदूखेड़ा में आरोपी रत्नेश गौंड पिता स्व. नन्नेभाई गौंड निवासी ग्राम बेलवाड़ा, थाना तेंदूखेड़ा के विरुद्ध धारा 318(4) एवं 319(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान थाना पुलिस एवं साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने लोगों को लड़की की आवाज में फोन कर प्रेम संबंध एवं विवाह का झांसा देकर ऑनलाइन धनराशि प्राप्त करने की बात स्वीकार की है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अब तक लगभग 50 लोगों को अपना शिकार बना चुका है तथा उनसे 1 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये एवं उससे अधिक राशि तक प्राप्त कर चुका है। मामले में अन्य पीड़ितों एवं डिजिटल लेन-देन की भी जांच की जा रही है।

जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी ने एक प्रधान आरक्षक को भी लड़की बनकर फोन किया था। जब उसकी मंशा सफल नहीं हुई तो उसने स्वयं को प्रभावशाली लोगों से जुड़ा बताते हुए प्रधान आरक्षक को वर्दी उतरवाने तथा वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में भी आवश्यक तथ्य विवेचना में शामिल किए जा रहे हैं। दमोह पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सोशल मीडिया अथवा मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति से मित्रता या विवाह संबंधी प्रस्तावों पर बिना सत्यापन विश्वास न करें। किसी भी व्यक्ति के कहने पर ऑनलाइन धनराशि स्थानांतरित न करें तथा किसी प्रकार की साइबर ठगी की आशंका होने पर तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें।

लाखों की चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

8 कंप्यूटर सिस्टम, आठ लैपटॉप समेत 11 लाख का सामान बरामद, ड्राइवर ही निकला मास्टरमाइंड

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर की पॉश रिवर व्यू कॉलोनी में सूने मकान में हुई लाखों रुपये की चोरी का कोतवाली पुलिस ने महज 72 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 11 लाख रुपये मूल्य का चोरी गया सामान बरामद किया है। मामले का मुख्य आरोपी फरियादी का कार चालक ही निकला, जिसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार रिवर व्यू कॉलोनी निवासी कपिल शर्मा (36) 5 जुलाई को घर में ताला लगाकर जयपुर गए थे। 7 जुलाई को लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और 9 लैपटॉप, 10 कंप्यूटर सिस्टम, राडो कंपनी की घड़ी, एलईडी टीवी, आरओ सहित अन्य सामान चोरी मिला। शिकायत पर कोतवाली थाना में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मुखबिर सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और वैज्ञानिक अनुसंधान के

आधार पर पुलिस का संदेह फरियादी के कार चालक वाजिद गुफरान सिद्दीकी पर गया। बैंक खातों और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि चोरी के 7 कंप्यूटर सिस्टम और 5 लैपटॉप उसने अपने परिचित आफताब खान निवासी खजराना (इंदौर) को बेच दिए थे, जबकि बाकी सामान अपने घर में छिपाकर रखा था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 कंप्यूटर सिस्टम, 8 लैपटॉप, राडो कंपनी की कलाई घड़ी, एलईडी टीवी, आरओ, इलेक्ट्रिक केतली, ट्रिमर सहित अन्य सामान बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत लगभग 11 लाख रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में गठित टीम ने अंजाम दिया। टीम में उपनिरीक्षक संजय रघुवंशी, प्रधान आरक्षक रितेश यदुवंशी, आरक्षक पंकेश बघेला, अविनाशी हारोडे, अजमेश चंद्रोल, हरीश डिगरसे, भिक्कू यादव तथा साइबर सेल के आरक्षक दीपेश सोलंकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिले के पिपरिया स्टेशन रोड थाना पुलिस ने भी बैग से 5,500 रुपए चोरी करने के मामले में नैना पारधी (19) निवासी जमनी टोला, सोहागपुर को गिरफ्तार कर चोरी की रकम बरामद करने में सफलता हासिल की है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

OFFICE OF THE POLICE STATION KOHEFIZA, BHOPAL-PIN 46001 (M.P.)

क्रमांक था./ कोहे./भो./ मर्ग/25/26 दिनांक 07/07/26

सूचना का प्रकाशन

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि सूचक इरशाद पिता शमशाद उम्र 50 साल निवासी 40 क्वार्टर अहमदाबाद पैलेस रोड कोहेफिजा द्वारा थाना उपस्थित आकर दिनांक 28.04.2026 के रात्री 11/30 सूचना दिया की करबला तिराहा व्हीआईपी रोड पर एक अज्ञात मृत व्यक्ति उम्र 55 से 60 साल करीबन मृत अवस्था मे पडा है जिसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर द्वारा चैक करने पर मृत घोषित किया गया। की सूचना पर थाना हाजा पर मर्ग क्रमाक 25/26 धारा 194 बीएनएसएस का पंजीबद्ध किया गया कायमी की सूचना श्रीमान एसडीएम महोदय एवं वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई। जांच के दौरान अज्ञात मृतक उम्र करीबन 55-60 साल की तलाश पतारसी के हर संभव प्रयास की जा रहे है परन्तु कोई पता नहीं चल सका है। ।। मृतक अज्ञात पुरूष का हुलिया -अज्ञात मृतक पुरूष उम्र करीब 55-60 साल निवासी अज्ञात, रंग-गेरूआ, शरीर दुबला-पतला, सिर के बाल बडे दाढी मूछे बडी, सिर तथा दाढी के बाल काले सफेद है। कमर में काली रस्सी बनी है जो पीले कलर की शर्टस स्लेटी कलर की बनियान तथा गहरे नीले कलर का पेंट पहने है। रहन-सहन से भूख मांगकर खाने वाला प्रतीत हो रहा है। उक्त अज्ञात मृतक के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो थाना कोहेफिजा के मोबाईल क्रमांक 9479990687, थाना प्रभारी कोहेफिजा मोबा.नं. 9479990583 पर सूचना देने का कष्ट करें।

G-15544/26 "स्वच्छता ही सेवा" थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

मेट्रो एंकर पूर्व राज्यमंत्री पटेल ने टीनशेड का लोकार्पण कर वितरित की साईकिल

साईकिल मिलते ही बच्चों के खिले चेहरे

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और विद्यालय तक उनकी नियमित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के धमना बरमान हिरनपुर सुआतला रिछाई ग्रामों के आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया। साइकिल प्राप्त करते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलकने लगा इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी पढ़ाई नियमित और बेहतर हो सकेगी।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं।

पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ अध्ययन करें तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित छात्र हितैषी योजनाओं का उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देना और हर बच्चे को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि शासन द्वारा लगातार विद्यार्थियों के हित में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे लाभान्वित होकर आप अपने सपने साकार कर सकते है अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से मेहनत करे और निरंतर आगे बढ़ते रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने साइकिल मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी सुविधा होगी और समय की भी बचत होगी। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर जनपद उपाध्यक्ष अंजू मनमोहन साहू दीपक राय राजेश रघुवंशी चंद्रभान सिंह रोशनी ठाकुर सीताराम नामदेव वीरेंद्र पटेल राव गणराज सिंह राय साहब सिंह राव मुकेश सिंह राव कृष्ण कुमार सत्यपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

भोपाल मण्डल भोपाल पुराना सचिवालय भोपाल

दूरभाष- 0755-2738774, E-Mail_ID - seresbhopal@mp.gov.in

किराये पर वाहन उपलब्ध कराने हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 1063 दिनांक :- 08.07.2026

कार्यालय प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में एक वर्ष की अवधि के लिए वाहन किराये पर उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक पंजीकृत ट्रेवल्स एजेंसियों से ऑनलाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

क्र	विवरण	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की अवधि
1	कार्यालय प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में वाहन किराये पर उपलब्ध कराने का कार्य	रूपये 50,000/- (रूपये पचास हजार मात्र)	रूपये 1,000 /- (रूपये एक हजार मात्र)	एक वर्ष

निविदा प्रपत्र वेबसाइट www.mptenders.gov.in के माध्यम से दिनांक 13.07. 2026 सायं 05:00 बजे तक ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते है। निविदा सूचना में कोई भी संशोधन समाचार पत्र में न दिया जाकर www.mptenders.gov.in पर ही जारी किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 13.07.2026 को सायं 05:00 बजे से 03.08.2026 को सायं 5:00 बजे तक ऑनलाईन जमा की जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 05.08.2026 को समय 05:00 बजे खोली जावेगी। वित्तीय निविदा दिनांक 06.08.2026 को समय 05:00 बजे खोली जावेगी।

(शरद कुमार तंतुवाय) अधीक्षण यंत्री

G-15550/26 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल" ग्रामीण यांत्रिकी सेवा भोपाल मंडल भोपाल

इंग्लैंड में करारी हार के बाद मांजरेकर का बड़ा हमला

आईपीएल का भारी मेकअप उतरते ही खुल गई टीम इंडिया की पोल! सेलेक्शन पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम से लगातार शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। पहले आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से टी20 सीरीज गंवाने वाली टीम इंडिया अब इंग्लैंड के हाथों 0-4 से क्लीन स्वीप का शिकार हो गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी और गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में विदेशी दौरे पर मिली इस शर्मनाक हार ने भारतीय क्रिकेट की चयन प्रक्रिया और खिलाड़ियों की तैयारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज और क्रिकेट विशेषज्ञ संजय मांजरेकर ने हार के बाद सीधे खिलाड़ियों को दोषी ठहराने के बजाय आईपीएल के मौजूदा ढांचे और चयन प्रक्रिया पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा कि विदेशी परिस्थितियों में मिली इस हार के लिए सिर्फ खिलाड़ियों को जिम्मेदार ठहराना आसान रास्ता है, जबकि असली समस्या उस सिस्टम में है जिसने IPL को ऐसा बना दिया है कि वह भारतीय बल्लेबाजों की वास्तविक क्षमता पर भारी मेकअप चढ़ा देता है। मांजरेकर का कहना है कि सपाट पिचों, छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में रन बनाने वाले खिलाड़ी जब इंग्लैंड, न्यूजीलैंड या अन्य विदेशी देशों में स्विंग, सीम और अतिरिक्त उछाल का सामना करते हैं तो उनकी तकनीकी कमजोरियां खुलकर सामने आ जाती हैं।

चयनकर्ताओं को दी बड़ी सलाह

संजय मांजरेकर ने चयनकर्ताओं को भी स्पष्ट संदेश दिया है। उनका मानना है कि अब सिर्फ आईपीएल के आंकड़ों और स्ट्राइक रेट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन नहीं होना चाहिए। चयन समिति को यह देखना होगा कि कौन सा बल्लेबाज कठिन विदेशी परिस्थितियों में भी प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को अधिकांश टी20 मुकाबले विदेशों में खेलने हैं। ऐसे में केवल घरेलू परिस्थितियों में सफल खिलाड़ियों पर भरोसा करना टीम के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

लंबी पारी और गेंद की स्विंग-सीम को समझने की कला हुई कमजोर

आईपीएल पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि टूर्नामेंट में बल्लेबाजों को जरूरत से ज्यादा मदद मिलती है। सपाट विकेट, छोटी बाउंड्री और लगातार 200 से अधिक रन वाले मुकाबले दर्शकों का मनोरंजन तो करते हैं, लेकिन इससे खिलाड़ियों की तकनीकी मजबूती विकसित नहीं हो पाती। आलोचकों का मानना है कि युवा बल्लेबाज पावर हिटिंग पर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं, जबकि मुश्किल परिस्थितियों में लंबी पारी खेलने और गेंद की स्विंग-सीम को समझने की कला कमजोर होती जा रही है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम भी बहस के केंद्र में

आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं। इस नियम के कारण टीमें जरूरत के हिसाब से विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को उतार सकती हैं, जिससे वास्तविक ऑलराउंडरों की भूमिका सीमित होती जा रही है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल भी पहले इस नियम की आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि इस व्यवस्था के चलते भारतीय क्रिकेट में गुणवत्तापूर्ण ऑलराउंडरों की संख्या घट रही है, क्योंकि फ्रेंचाइजियों को ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करने की जरूरत महसूस नहीं होती जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकें।

आगे की राह आसान नहीं

इंग्लैंड में मिली करारी हार के बाद अब टीम इंडिया के सामने वापसी की बड़ी चुनौती है। भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसी वर्ष न्यूजीलैंड दौरे पर भारत को पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं। लगातार दो विदेशी टी20 सीरीज हारने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारतीय क्रिकेट सिर्फ ढ्ढक्रके प्रदर्शन के आधार पर टीम चुनेगा या फिर विदेशी परिस्थितियों में सफल होने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता देगा। आने वाले दौरे इस सवाल का जवाब तय करेंगे।

हर्षित इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर, जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं जा सकेंगे वरुण

दो सीरीज के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

अहमदाबाद , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव किया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। पुरुष चयन समिति ने हर्षित की जगह जगह प्रिंस यादव को वनडे और वरुण के स्थान पर रवि बिश्नोई को टी20 टीम में शामिल किया है।

चोटिल हो गए थे हर्षित और वरुण

हर्षित और वरुण इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। बीसीसीआई ने कहा, हर्षित तीसरे मैच के दौरान हैम्स्ट्रिंग चोट का शिकार हुए थे। वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं और आगे के इलाज के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिपोर्ट करेंगे। वहीं, वरुण को तीसरे टी20 के दौरान चोट लगी थी। उनका एमआरआई किया गया जिसमें ग्रेड 2 की हैम्स्ट्रिंग चोट का पता चला है। मेडिकल सलाह के आधार पर वरुण जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह भी बीसीसीआई सीओई में रिपोर्ट करेंगे।

वापसी करने उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। वनडे सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल होंगे।

मैदान पर लौटते ही कोच बने किंग कोहली गिल को 30 मिनट तक दी स्पेशल क्लास

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-4 की शर्मनाक हार के बाद अब टीम इंडिया की नजरें वनडे सीरीज में पलटवार पर है. तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 14 जुलाई से होगा. वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी से भारतीय टीम को मजबूती मिली है.

मिंधम में टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन के दौरान एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला. पूर्व कप्तान विराट कोहली करीब 30 मिनट तक वनडे कप्तान शुभमन गिल को बल्लेबाजी के गुर सिखाते नजर आए. कोहली इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज के बाद पहली बार टीम इंडिया की जर्सी में मैदान पर उतरेंगे. चोट के कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे. लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रहे कोहली ने पहले ही प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाया.

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम ने शनिवार को करीब दो घंटे तक अभ्यास किया. इस दौरान

कोहली और शुभमन गिल के बीच लगभग आधे घंटे तक लंबी बातचीत हुई. पूर्व भारतीय कप्तान ने गिल के साथ शॉट सेलेक्शन, बल्लेबाजी की रणनीति और इंग्लैंड के गेंदबाजों से निपटने के तरीकों पर चर्चा की. इस दौरान कोहली सिर्फ गिल से बातचीत करते नजर नहीं आए, बल्कि उन्होंने नेट्स में कई तरह के शॉट खेलकर भी दिखाए. गिल ने ध्यान से उनकी बातों को सुना और बल्लेबाजी से जुड़ी बारीकियों को समझने की कोशिश की. इंग्लैंड में पहली बार वनडे टीम की कप्तानी करने जा रहे गिल के लिए कोहली का अनुभव बेहद अहम साबित हो सकता है.

क्रांति की उपलब्धि पर कोच राजीव बिल्थारे का बयान: मेरी शिष्य ने मेरा सपना पूरा किया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट में 5 विकेट झटके हैं। क्रांति के इस यादगार प्रदर्शन से उनके कोच राजीव बिल्थारे बेहद खुश हैं। राजीव बिल्थारे ने कहा कि क्रांति की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न सिर्फ क्रिकेट के घर में बेहतरीन प्रदर्शन करने का सपना पूरा किया है, बल्कि एक कोच की अपनी शिष्या को खेल के सबसे बड़े मंचों में से

एक पर चमकते देखने की इच्छा भी पूरी की। क्रांति को इतिहास रचते देखना गर्व का पल था। बिल्थारे ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, हर खिलाड़ी लॉर्ड्स में खेलने का सपना देखता है, और हर कोच अपने शिष्य को लॉर्ड्स में खेलते हुए देखने का सपना देखता है। क्रांति गौड़ ने न सिर्फ लॉर्ड्स में खेला है, बल्कि शानदार प्रदर्शन भी दिया है।

दोनों खिलाड़ियों की जोड़ी के रूप में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब

गुओ हान्यू-क्रिस्टीना म्लादेनोविक बनीं विंबलडन महिला युगल चैंपियन

लंदन, एजेंसी

चीन की गुओ हान्यू और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविक की जोड़ी ने विंबलडन 2026 महिला युगल का खिताब अपने नाम कर लिया। दसवीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और ब्राजील की लुइसा स्टेफनी को 6-3, 7-5 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दोनों खिलाड़ियों की जोड़ी के रूप में यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। फाइनल मुकाबले में गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दोनों ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली। हालांकि डाब्रोव्स्की और स्टेफनी ने लगातार तीन गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वे सेट नहीं बचा सकीं और 6-3 से हार गईं।

दूसरे सेट में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कई बार बढ़त बनाने का प्रयास किया, लेकिन म्लादेनोविक के दमदार

फोरहैंड और दोनों खिलाड़ियों के शानदार तालमेल ने मुकाबला बराबरी पर बनाए रखा। 5-5 की बराबरी पर गुओ हान्यू ने शानदार क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड विनर लगाकर निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद म्लादेनोविक ने अपने सर्विस गेम में संयम बनाए रखते हुए फोरहैंड विनर के साथ मैच और खिताब अपने नाम कर लिया। यह जीत दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद खास रही। गुओ हान्यू ने अपने पहले ही ग्रैंड स्लैम फाइनल में खिताब जीतने का कारनामा किया। वहीं 34 वर्षीय क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने अपने करियर का सातवां महिला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इससे पहले वह 2018 से 2022 के बीच छह ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पहाड़ों के बीच फिर दिखा मंदाकिनी का खूबसूरत अंदाज

हिमाचली पहनावे में आईं नजर

80 के दशक में अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाली मंदाकिनी भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी कायम है। जब भी वह किसी खास अंदाज में नजर आती हैं, फैंस उनकी तस्वीरों और वीडियोज को जमकर पसंद करते हैं। इस बार अभिनेत्री हिमाचली संस्कृति के रंग में रंगी नजर आईं।

मंदाकिनी ने इंस्टाग्राम पर मनाली की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह हिमाचली पहनावे में बेहद खूबसूरत नजर आईं। उन्होंने सिर पर हिमाचली अंदाज की टोपी और पारंपरिक पोशाक पहनी हुई थी। इसके साथ उनकी पीठ पर फूलों से सजी पारंपरिक टोकरी भी दिखाई दी, जिसने उनके पूरे लुक को और खास बना दिया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि मनाली की यात्रा उनके लिए खुद से दोबारा जुड़ने जैसा एहसास है। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए मंदाकिनी ने लिखा, एक खास तरह की खुशी होती है, जो सिर्फ पहाड़ों में महसूस होती है। देवदार के पेड़ों की सरसराहट, ठंडी हवा का एहसास और प्रकृति की खूबसूरती एक अलग ही शांति देती है। मनाली में हर सूर्योदय किसी आशीर्वाद जैसा लगता है, हर रास्ता एक कहानी कहता है और हर पल जिंदगी को धीरे-धीरे जीने का मौका देता है।

मन को शांति देती है ताजा हवा

उन्होंने आगे लिखा, कुछ यात्राएं सिर्फ खूबसूरत जगहों तक नहीं ले जातीं, बल्कि हमें खुद से भी मिलाती हैं। हर नजारा दिल में आभार भर देता है, पहाड़ों की ताजी हवा मन को शांति देती है और हर पल एक ऐसी याद बन जाता है जिसे हमेशा संभालकर रखा जा सकता है। मंदाकिनी के करियर की बात करें, तो लोग आज भी उन्हें उनकी चर्चित फिल्म राम तेरी गंगा मैली के लिए याद करते हैं। राज कपूर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने उनके करियर को नई पहचान दी और उन्हें हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने डांस डांस, कमांडो, जीते हैं शान से और ना-इंसाफी जैसी फिल्मों में भी काम किया।

मां के नाम पेड़ लगाकर भावुक हुईं हुमा, बोलीं- उन्होंने सिखाया असली ताकत का मतलब

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के प्रति प्यार और सम्मान जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें समझाया कि ताकत हमेशा दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्यार और बिना किसी उम्मीद के दूसरों का साथ देने में होती है। हुमा कुरैशी ने हाल ही में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाया। इस खास पहल के जरिए उन्होंने अपनी मां के प्रति आभार और प्यार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पौधा लगाते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं और बताया कि उनके लिए यह सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं, बल्कि अपनी मां के योगदान को सम्मान देने का एक तरीका है।

इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए हुमा ने लिखा, मेरी जिंदगी में जिन सबसे मजबूत महिलाओं को मैंने जाना है, उनमें सबसे पहले मेरी मां आती हैं। उन्होंने मुझे सिखाया कि असली ताकत शांत होती है, धैर्य से भरी होती है और हमेशा देने वाली होती है। यही वजह है कि एक पेड़ मां के नाम मेरे दिल के बहुत करीब है। हुमा ने आगे लिखा, अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाना सिर्फ एक पौधा लगाना नहीं है, यह वह कृतज्ञता है जो हर मौसम के साथ बढ़ती रहती है। जब धन्यवाद जैसे शब्द भी खत्म हो जाते हैं,

तब भी यह पेड़ आपकी भावनाओं को बनाए रखता है।हुमा कुरैशी ने इस अभियान के पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने बताया कि इस मानसून उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वच्छ नदियों, सोलर सिटी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और किसानों को हरित प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करने जैसी योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है।

मेट्रो बाजार

भारत में अगले साल 15 अगस्त से शुरू होगी बुलेट ट्रेन : वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐलान किया कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन सेवा 15 अगस्त, 2027 से चरणबद्ध तरीके में शुरू होगी और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का सूरत-बिलिमोरा सेक्शन देश का पहला हाई-स्पीड रेल रूट बनेगा। 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा, जिससे पूरे रूट के पूरा होने से पहले ही प्रोजेक्ट के कुछ हिस्से चालू हो सकेंगे। सूरत-बिलिमोरा सेक्शन के शुरू होने के बाद, बाकी सेक्शन - जैसे वापी-सूरत, वापी-अहमदाबाद, अहमदाबाद-ठाणे और अहमदाबाद-मुंबई को धीरे-धीरे खोला जाएगा। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के बारे में जानकारी देते हुए रेल मंत्रालय ने वैष्णव ने कहा कि भारत का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट अपने अगले चरण में पहुंच गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का काम चल रहा है और इसे चरणों में शुरू किया जाएगा, जिसकी शुरुआत सूरत-बिलिमोरा सेक्शन से होगी। रेल मंत्री ने कहा कि इस बड़े प्रोजेक्ट का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और तय समय-सीमा के अंदर काम पूरा करने के लिए निर्माण तेजी से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भारत का पहला हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट है। इससे इन दो आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा, साथ ही आधुनिक रेल तकनीक आएगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस प्रोजेक्ट से कॉरिडोर के आस-पास आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को मुश्किल में डाल रही चीन की तेजी से बढ़ती रेयर अर्थ इंडस्ट्री

नई दिल्ली। चीन की तेजी से बढ़ती रेयर अर्थ इंडस्ट्री दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों जैसे म्यांमार, लाओस, थाईलैंड और कंबोडिया के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी कर रही है, क्योंकि इससे मेकांग नदी में प्रदूषण बढ़ रहा है, जो कि चीन से निकलकर इन देशों में नीचे की ओर से बहती है। यह जानकारी म्यांमार के मिज्जिमा न्यूज पोर्टल की ओर से दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन ने अपने रेयर अर्थ इंडस्ट्री पर पर्यावरण से जुड़े नियमों को तो सख्त किया, लेकिन माइनिंग का काम म्यांमार के काचिन और शान राज्यों में सीमा के उस पार शिफ्ट कर दिया। इन इलाकों में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद नागरिक शासन खत्म हो गया और संसाधनों से भरपूर सीमावर्ती इलाके हथियारबंद जातीय समूहों के हाथों में चले गए।

लेख में कहा गया, सिर्फ काचिन राज्य में, माइनिंग साइट्स की संख्या 2020 में लगभग 130 से बढ़कर 2024 के आखिर तक 370 से अधिक हो गई। तख्तापलट के बाद के दो सालों में म्यांमार से चीन को होने वाला रेयर अर्थ एक्सपोर्ट दोगुने से भी अधिक हो गया। इसमें ज्यादातर नुकसानदायक हेवी रेयर अर्थ शामिल थे, जिनका इस्तेमाल ईवी मोटर्स और विंड टर्बाइनों में होता है। 2017 और 2024 के बीच दर्ज किए गए 4.2 अरब डॉलर के एक्सपोर्ट का 85 प्रतिशत हिस्सा सेना के सत्ता संभालने के बाद हुआ। 2023 तक, म्यांमार चीन के हेवी रेयर अर्थ आयात का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सप्लाई कर रहा था। गौर करने वाली बात यह है कि यह मात्रा उस साल चीन के अपने घरेलू माइनिंग कोटे से भी अधिक थी। अमेरिका के स्टिमसन सेंटर की सैटेलाइट तस्वीरों से मेकांग नदी बेसिन में 833 ऐसी खदानों की पहचान हुई है जो बिना नियम-कानून के चल रही हैं। इनमें से 86 की पुष्टि रेयर अर्थ माइनिंग ऑपरेशन के तौर पर हुई है, जहां नीले तिरपाल वाले लीचिंग पॉन्ड का इस्तेमाल होता है।

ONGC ने लद्दाख में पूरी की दूसरे 'जियोथर्मल' कुएं की खुदाई

लेह। पब्लिक सेक्टर की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने लद्दाख की पुगा घाटी में दूसरे जियोथर्मल कुएं की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इसके साथ ही भारत पहले प्रायोगिक जियोथर्मल पावर प्लांट की स्थापना की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ गया है। जियोथर्मल एनर्जी पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद प्राकृतिक गर्मी का इस्तेमाल कर बिजली और थर्मल एनर्जी पैदा करती है। ये सोलर और विंड एनर्जी के उलट मौसम पर निर्भर नहीं होती और लगातार बिजली उपलब्ध कराने में सक्षम है। बताते चलें कि पिछले ही महीने, पब्लिक सेक्टर की तेल कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान अपतटीय क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का दूसरा भंडार खोजा था।

लोक निर्माण विभाग की नई व्यवस्था पर उठे सवाल

100 करोड़ बढ़ा खर्च, फिर भी दिल्ली की सड़कों पर नहीं बढ़ रही हरियाली

नई दिल्ली। एजेंसी

सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने और उसके रखरखाव पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का खर्च 100 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गया है, लेकिन राजधानी की सड़कों पर इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा। विभाग ने अक्टूबर 2024 में जिन 68 कंपनियों को तीन वर्ष के लिए सड़कों के किनारे हरियाली के विकास और रखरखाव का कार्य सौंपा था, उनके अनुबंध निरस्त कर नई व्यवस्था के तहत चार कंपनियों को जिम्मेदारी दे दी है। नई व्यवस्था में परियोजना की लागत 174 करोड़ रुपए से बढ़कर 275 करोड़ रुपए पहुंच गई है।

इस प्रकार ठेके बदलने के साथ सरकार पर 100 करोड़ रुपए से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय बोझ आ गया, लेकिन राजधानी की अधिकांश प्रमुख सड़कों पर हरियाली की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं दिख रहा है। कई स्थानों पर पौधों की वृद्धि अपेक्षा से कम है। पिछले दिनों हुई वर्षा में कुछ स्थानों पर पेड़ लगाए गए थे, मगर उनकी भी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सड़कों के बीच सेंट्रल वर्ज और किनारों पर विकसित किए गए हरित क्षेत्र भी नियमित सिंचाई और रखरखाव के अभाव में प्रभावित हो रहे हैं।

दिल्ली में 1440 किलोमीटर लंबी सड़कें

दिल्ली में लोक निर्माण विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़कें हैं। इनमें अधिकतर भाग में सेंट्रल वर्ज और दोनों किनारों पर हरियाली विकसित की गई है। जानकारों का कहना है कि हरियाली विकसित करने के लिए केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं होता। नियमित सिंचाई, समय पर छंटाई, खाद और पौधों की सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। मौजूदा स्थिति में कई स्थानों पर हरियाली का भविष्य अब भी वर्षा पर निर्भर दिखाई देता है। यदि मानसून सामान्य रहा तो पौधों को कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन वर्षा कम होने पर हरियाली के सूखने का खतरा है। सूत्रों के अनुसार नई एजेंसियों को बेहतर निगरानी, रखरखाव और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि अब तक जमीन पर इसका प्रभाव दिखाई नहीं दिया है। राजधानी में प्रदूषण कम करने और शहरी तापमान नियंत्रित रखने के लिए सड़क किनारे हरियाली का विस्तार महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में बढ़े हुए बजट के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से परियोजना की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

तीसरी शादी पर भड़के महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा

आमिर खान लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी होने लगी है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने आमिर खान की तीसरी शादी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि क्या इसे लव जिहाद का उदाहरण माना जाना चाहिए।

वहीं, उन्होंने हिंदू समुदाय के लोगों से भी ऐसे सेलिब्रिटीज को सपोर्ट करने से पहले ध्यान से सोचने की भी अपील की। अहिल्यानगर जिले के शिरडी में उन्होंने कहा कि जब मशहूर हस्तियां अपनी निजी जिंदगी में ऐसे फैसले लेती हैं, तो हिंदू समाज को इस पर सोचना चाहिए। यह मेरी राय है। 'लव जिहाद' का ब्रांड एंबेसडर कौन है? क्या आमिर खान ऐसे नहीं बन रहे हैं? जो हिंदू युवा उनकी फिल्में देखते हैं, उन्हें ऐसे एक्टर्स को बड़ा बनाने से पहले सोच-समझकर राय बनानी चाहिए। राणे ने कहा कि हिंदू समाज को इस पर सोचना चाहिए कि ऐसे लोगों की फिल्में देखनी चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी कहा

कि जो लोग ऐसी हस्तियों को सेलिब्रिटी मानते हैं, उन्हें अपने विचारों पर फिर से सोचना चाहिए। बता दें कि एक्टर आमिर ने 5 जुलाई को तीसरी शादी की। मुंबई के बांद्रा में अपने पाली हिल स्थित आवास पर एक निजी समारोह में आमिर ने वेलनेस और ब्यूटी प्रोफेशनल गौरी स्प्रैट से शादी की। आमिर और गौरी शादी करने से पहले करीब 1 साल तक रिलेशनशिप में रहे। आमिर ने पहली शादी रीना दत्ता से की थी। इसके बाद फिल्ममेकर किरण राव से आमिर ने दूसरी शादी की और फिर तलाक के बाद गौरी से तीसरी शादी की है।

प्रवीण नेत्तारू हत्याकांड: एनआईए ने 2 साल से फरार दो आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली. एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेत्तारू की 2022 में हुई हत्या के मामले में दो भगोड़ों को गिरफ्तार किया है। मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने नेत्तारू की हत्या कर दी। आरोप है कि हमलावर प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्य थे। रविवार को जारी बयान के अनुसार आंध्र प्रदेश पुलिस से मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर शनिवार को केरलम के कोच्चि से अब्दुल नासिर पीऔर तमिलनाडु के होसुर से नौशाद को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपितों पर मुख्य हमलावरों को आश्रय देने का आरोप था। इस मामले में कुल गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 24 हो गई है। तीन आरोपित फरार हैं। एनआईए ने पहले कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा युवा मोर्चा के जिला कार्यकारी समिति के सदस्य नेत्तारू की हत्या में शामिल मुख्य हमलावरों को शरण देने के लिए अब्दुल नासिर और नौशाद को आरोप पत्र में नामित किया था।

प्रवीण नेत्तारू।

न्यूज विंडो

दिल्ली के अलीपुर में नहाते समय यमुना नदी के बहाव में बहे 4 बच्चे

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के अलीपुर पुलिस स्टेशन इलाके में हिरंकी गांव के पास ठोकर नंबर 24 के निकट यमुना नदी में नहाते समय चार नाबालिग लड़के तेज बहाव में बह गए। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, दिल्ली फायर सर्विस, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। रविवार को कई घंटों तक व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। अंधेरे के कारण कम विजिबिलिटी की वजह से सर्च ऑपरेशन रात करीब 10:30 बजे रोक दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम लगभग 07:46 बजे चार लड़कों की यमुना में डूबने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। नदी में तेज बहाव के कारण चार बच्चे, राहुल (15), अंशु (15), सौरभ (15) और अमनदीप (15), गहरे पानी में चले गए और तेज बहाव में फंसकर डूबने लगे।

इंडोनेशिया: पिकअप दो ट्रकों के बीच पिसी, 13 लोगों की गई जान

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप हाईवे पर दो ट्रकों के बीच फंस गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यू टर्न लेते समय पीछे से ट्रक की टक्कर के बाद पिकअप दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां एक और ट्रक से भिड़ंत हो गई।स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

दो सहेलियों के बीच प्यार और शादी, युवती का विवाह हुआ तो ससुराल से दुल्हन को ले आई सहेली

मेरठ, एजेंसी

मेरठ से हैरान करने वाला एक मामला सामने आया है। जानीखुर्द थाना इलाके के एक गांव में दो सहेलियों के बीच प्यार और शादी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दोनों सहेलियों ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना आपस में विवाह कर लिया। मामला तब और पेचीदा हो गया जब परिजनों ने महज सात दिन पहले इनमें से एक युवती की शादी जबरन गाजियाबाद के लोनी बार्डर निवासी एक युवक से कर दी, लेकिन प्यार की जिद के आगे यह शादी भी नहीं टिक सकी। दूसरी युवती लोनी गाजियाबाद पुलिस को साथ लेकर अपनी सहेली की ससुराल जा पहुंची।

जानकारी के अनुसार, जानी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दो युवतियों के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने परिजनों की नजरों से बचकर आपस में शादी भी कर ली थी। जब इसकी भनक एक युवती के परिजनों को लगी तो उन्होंने आनन-फानन करीब एक सप्ताह पूर्व उसकी मर्जी के खिलाफ लोनी बॉर्डर गाजियाबाद निवासी एक युवक से उसका विवाह कर उसे विदा कर दिया। दूसरी युवती अपनी सहेली (पत्नी) की जुदाई से परेशान होकर शांत नहीं बैठी। वह लोनी पुलिस को साथ लेकर लोनी बॉर्डर स्थित अपनी सहेली की ससुराल पहुंच गई। इस दौरान सूचना पर दोनों युवतियों के परिजन भी मौके पर पहुंचे लेकिन दोनों साथ रहने की जिद पर अड़ी रही।

बिलासपुर बाल संप्रेक्षण गृह में ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड की हत्या

बिलासपुर। एजेंसी

नूतन चौक स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में पदस्थ सुरक्षा गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने सनसनी फैला दी है। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या से जुड़ा माना जा रहा है। सरकंडा थाना क्षेत्र स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में तखतपुर थाना क्षेत्र निवासी नरेंद्र कुमार खाण्डे (42) सहायक सह रात्रि चौकीदार के पद पर सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी कर रहे थे।

रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना को बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे चार नाबालिग बंदियों द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इनमें तीन नाबालिग रायगढ़ जिले और एक कोरबा जिले का रहने वाला है। सभी गंभीर अपराधों के मामलों में बाल संप्रेक्षण गृह में निरुद्ध थे। आरोप है कि घटना के बाद चारों नाबालिग बंदी वहां से फरार हो गए। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि नरेंद्र कुमार खाण्डे के हाथ-पैर गमछे से बांध दिए गए थे। इसके बाद उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और गला दबाकर हत्या की गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया था। परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मेट्रो एंकर प्रशासन ने पेंशनधारी के खाते के लेने-देन पर लगाई रोक, जांच जारी

बिहार में ई-रिक्शा चलाने वाले के बैंक खाते में आए 7 अरब रुपए

पटना। एजेंसी

बिहार के वैशाली जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि हस्तांतरण के बाद एक चौंकाने वाली तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है। महुआ और जंदाहा प्रखंड के दो पेंशनधारियों के बैंक खातों में अचानक करोड़ों और अरबों रुपए की राशि दिखाई देने लगी। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और दोनों खातों के संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से 10 जुलाई को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभुकों के खातों में मासिक पेंशन की राशि भेजी गई थी। इसी दौरान महुआ प्रखंड की गोविंदपुर पंचायत के चखाजे गांव निवासी वृद्ध पेंशनधारी चंद्रदीप राय अपनी 1100 रुपए की पेंशन निकालने के लिए उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के एक ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) पहुंचे।

खाते में पैसे देखकर हैरान रह गया सीएसपी संचालक

सीएसपी संचालक ने राशि निकासी के बाद जब खाते का शेष बैलेंस देखा तो स्क्रीन पर प्रदर्शित रकम देखकर हैरान रह गए। खाते में 7 अरब 40 करोड़ 68 लाख 72 हजार 795 रुपए से अधिक की राशि दिखाई दे रही थी। सामान्य पेंशन खाते में इतनी बड़ी रकम दिखाई देने की खबर क्षेत्र में तेजी से फैल गई।

खातों के संचालन पर लगाई रोक

मामले की सूचना मिलते ही महुआ के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सौरव वर्णवाल को अवगत कराया गया। इसके बाद पंचायत सचिव अशोक सिंह को लाभुक के घर भेजकर उन्हें स्थिति की जानकारी दी गई। प्रशासन ने पेंशनधारी को फिलहाल खाते से किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करने की सलाह दी है। साथ ही अगले आदेश तक खाते का संचालन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

जंदाहा में भी सामने आया ऐसा ही मामला

महुआ की घटना के कुछ ही समय बाद जंदाहा प्रखंड के खोपी गांव से भी इसी तरह का मामला सामने आया। यहां सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभुक राजन सिंह के बैंक खाते में अचानक 7 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदर्शित होने लगी। एक ही जिले के दो अलग-अलग प्रखंडों में हुई इस तरह की तकनीकी गड़बड़ी ने प्रशासन और बैंक अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

तकनीकी कारणों की हो रही जांच

बीडीओ सौरव वर्णवाल ने बताया कि पूरे मामले की सूचना वरीय अधिकारियों को भेज दी गई है। प्रारंभिक जांच में मामला बैंकिंग सिस्टम या सर्वर की तकनीकी त्रुटि का प्रतीत हो रहा है। बैंक और संबंधित विभाग संयुक्त रूप से यह पता लगाने में जुटे हैं कि खातों में इतनी बड़ी राशि कैसे प्रदर्शित हुई। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564